स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 3 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 सितम्बर 2022 ✦ वर्ष 11 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

हस्तिनापुर में आयोजित
अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का
त्रिवार्षिक अधिवेशन एवं प्रतिनिधि सम्मेलन

TAILOR MADE SOLUTIONS FOR DIVERSE INDUSTRY NEEDS

MEI POWER PRIVATE LIMITED

MARSON'S
AGRA, INDIA

25 KVA to 14 MVA
Type Tested as per
BIS Level 3 & 2 / IEC & IS

संस्थापक - स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त, 1927 - 31 अगस्त, 2016)

आपका स्नेह, सेवाभाव, समाज की प्रगति की भावना, उच्च विचार एवं
प्रेरणादायक जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

MEI POWER PRIVATE LIMITED

Correspondence: 1/189 Delhi Gate, Civil Lines, **Agra - 282 002 (INDIA)**
Ph: +91 562 2520027, +91 562 2850812
Works: Mathura Road, Artoni, **Agra - 282 007 (INDIA)**
Ph: +91 90277 09944, +91 92580 78803
info@marsonselectricals.com **www.marsonselectricals.com**

9001 14001 MIDEL ENERGY IS LIFE BEE CONSERVE IT EU Directives

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र
(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)
Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

अंक 3 ✦ 25 सितम्बर 2022 ✦ वर्ष 11

मूल्य ₹ 5/-
कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संपादक मंडल की ओर से .....

महासभा चुनाव : एक नजर

17-18 सितंबर को हस्तिनापुर में अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के त्रिवार्षिक अधिवेशन, प्रतिनिधि सम्मेलन के साथ केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव का आयोजन किया गया।

17 सितंबर को दोपहर 3 बजे से अधिवेशन एवं प्रतिनिधि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन एवं सभा का संचालन महामंत्री श्री राजीव रतन जैन ने किया। झंडारोहण फिरोजाबाद निवासी समाजसेवी श्री विमल चंद जी जैन द्वारा किया गया, भगवान महावीर के चित्र का अनावरण ग्वालियर शाखा मंत्री एवं युवा समाजसेवी श्री गौरव जैन ने किया। दीप प्रज्वलन ग्वालियर निवासी समाजसेवी श्री ओम प्रकाश जी जैन कोयले वालों के द्वारा किया गया, जिसमें महासभा के उपस्थित पदाधिकारियों ने भी सामूहिक योगदान दिया।

अधिवेशन में विशेष रूप से सर्वोच्च गणिनी आर्यिका 105 श्री ज्ञानमती माताजी एवं आर्यिका 105 श्री चंद्रमति माताजी संसंघ रुप से उपस्थित रही एवं अपने आशीर्वचनों से सभी को समाज के संगठित होने का उपदेश दिया।

अधिवेशन के दौरान चुनाव अधिकारी श्री अनुपम जैन ने मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई, जिसमें सदन में उपस्थित अनेक प्रतिनिधियों ने होने वाली अव्यवस्थाओं

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

के बारे में बताया तथा की गई व्यवस्थाओं पर असहमति दर्शाते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने का निवेदन किया, लेकिन आसन ने उन्हें इन व्यवस्थाओं के प्रति आश्वस्त किया और चुनाव प्रक्रिया सही तरह से करवाने का आश्वासन दिया।

महासभा के इतिहास में पहली बार यह देखने को मिला कि अधिवेशन के दौरान सदन में सैकड़ों की संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

रात्रि में पुनः चुनाव अधिकारी के साथ सभी प्रत्याशियों, उनके प्रतिनिधियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के साथ सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने निर्वाचन व्यवस्थाओं पर आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया, लेकिन उस सभा में भी महासभा के पदाधिकारियों ने अपनी व्यवस्थाओं पर संतोष प्रकट किया और सभी से उपलब्ध व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करने एवं निर्बाध रूप से चुनाव संपन्न कराने के निवेदन के साथ यह सभा समाप्त हुई।

दिनांक 18 सितंबर को महाभारत की नगरी हस्तिनापुर में अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदान कार्यक्रम प्रातः 8 बजे प्रारंभ हुआ। शुरुआत के समय मतदान हेतु एक ही हॉल में राजस्थान के लिए व्यवस्था की गई तथा लगभग सात-आठ बूथों का निर्माण कर प्रक्रिया को प्रारंभ किया गया। कुछ घंटों के मतदान के दौरान ही हॉल के अंदर की व्यवस्थाओं पर मतदाताओं का रोष नजर आने लगा, मतदान हेतु आवश्यक सामग्री मोहर एवं इंकपेड अनुपयोगी होते प्रतीत नजर आने लगे।

जैसा कि पूर्व के दिन में जो आशंकाएं निर्वाचन प्रक्रिया व्यवस्था पर प्रकट की जा रही थी वह मूर्त रूप में दिखाई देने लगी। एक ही प्रवेश द्वार से हॉल के अंदर प्रवेश होने के कारण मतदाताओं का धैर्य टूटता नजर आया, हॉल के बाहर चिलचिलाती धूप एवं पीने के पानी की उपलब्धता न होने के कारण एवं साथ ही हॉल के बाहर कुछ कार्यकर्ताओं ने उकसाने का प्रयत्न किया और देखते-देखते निर्वाचन व्यवस्था वाले हॉल में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में प्रवेश कर लिया एवं चुनावी व्यवस्थाओं को अस्त-व्यस्त कर दिया जिससे लोगों में आक्रोश उत्पन्न हुआ और जो कृत्य किया वो किसी भी मायने में उचित नहीं है। लोग अपने ही रिश्तेदारों एवं सगे संबन्धियों के साथ महाभारत करते दिखे, जो समाज के लिए बहुत ही निंदनीय है। वे लोग भूल गए कि वे सभी लोग उस भगवान महावीर के अनुयायी हैं जिन्होंने सत्य, अहिंसा, धैर्य सहनशीलता का पाठ पूरी दुनिया को पढ़ाया था। उसे अपने समाज के ही चंद लोगों ने तार-तार कर दिया। समाज के ऐसे महाकुंभ में एक धार्मिक स्थान पर और वह भी शांतिनाथ सभागार के अंदर ऐसा कृत्य कर डाला जो इतिहास के पन्नों पर पल्लीवाल जैन समाज के लिए एक कलंक रहेगा।

अभी तक राजनीतिक पार्टियों के चुनाव प्रचार में तो धनबल एवं बाहुबल का प्रयोग होते देखा था लेकिन सामाजिक मंच पर और वह भी विकासशील पल्लीवाल जैन समाज के बंधुओं ने अपनी जिम्मेदारियों का त्याग कर ऐसा तांडव मचाया और खूब लड़ाई-झगड़े हुए और कुछ जागरूक लोगों ने अपने-अपने मोबाइल में उस घटना को कैद कर समाज तक पहुंचाने का कार्य किया।

हंगामे में लोगों ने बैलेट पेपर फाड़ दिए, मतदान रोक दिया गया, दोनों पैनल के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए एवं दोपहर में शुरू हुआ हंगामा अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया और अंत में पुलिस प्रशासन को इस व्यवस्था को सुचारु रुप से करने में अपना योगदान देना पड़ा और एस.डी.एम. के सानिध्य में चुनाव अधिकारी श्री अनुपम जैन मौके पर पहुंचे। दोनों पैनलों के लोगों के साथ महासभा

अध्यक्ष, महामंत्री और प्रशासन के लोगों के साथ विचार-विमर्श कर दोपहर 1 बजे तक चुनाव स्थगित किया, बाद में चुनाव अधिकारी द्वारा मतदान प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया। कई घंटों तक गहमा-गहमी होती रही और कुछ समय पश्चात महासभा के अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन एवं महामंत्री श्री राजीव रतन जैन ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देने की घोषणा की। ***(सभी त्याग-पत्रों के बारे में पत्रिका सम्पादक मण्डल के पास कोई भी अधिकारिक जानकारी नहीं आई है।)***

उपरोक्त घटनाक्रम से यह प्रतीत होता है कि अपने समाज का युवा वर्ग किस दिशा में जा रहा है। चुनाव में बेमतलब कितना कषाय और आपसी वैमनस्यता फैल रही है। इतने बड़े घटनाक्रम के पीछे मूल कारण प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे खर्चे हैं, जिसके कारण से प्रत्येक क्षेत्र से निःशुल्क आने-जाने हेतु बस व्यवस्था, आवास व्यवस्था के साथ धार्मिक स्थल का भ्रमण एवं समाज का निःशुल्क भोजन व्यवस्था, जिससे बिना वोट होने के बाद भी काफी तादाद में ऐसे लोगों का आगमन। लगभग 5000 से ज्यादा व्यक्तियों की उपस्थिति ने वहां की व्यवस्थाओं को बिल्कुल चरमरा दिया। जिसमें भोजन-पानी मुख्य थे, की उपलब्धता बिल्कुल नहीं थी। गर्मी के कारण सामाजिक बंधुओं का पारा और गर्म हो गया और इन अव्यवस्थाओं ने भी इस हंगामे में 'आग में घी' का काम किया। समाज बंधुओं की ज्यादा संख्या चुनाव स्थल में आने के कारण अव्यवस्था होना लाजमी था। अब क्योंकि सभी घटनाक्रम समाज के सम्मुख आ चुके हैं, हमारा एक बार समाज के प्रबुद्ध वर्ग एवं सभी प्रत्याशियों से करबद्ध निवेदन है कि समाज में आगे समरसता बनाने हेतु प्रयास करें, आपसी सौहार्द और रिश्तों को इस चुनावी माहौल में बलि ना चढ़ाएं। एक स्थान पर बैठकर समाज के भविष्य पर पड़ने वाले अंधकार को दूर करें। महासभा के अध्यक्ष एवं महामंत्री के त्याग पत्र की घोषणा के पश्चात कार्यकारिणी महासभा के विधानानुसार अग्रिम कार्यवाही कर पुनः समाज को एक मंच पर लाने का प्रयास करें। समाज के पूर्व पदाधिकारियों का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान हो सकता है। आप सभी सोचें एवं उचित निर्णय कर समाज का सौहार्द कायम करें। लेख में किसी को आघात पहुंचा हो तो हम संपादक मंडल के सभी सदस्य आप सभी से क्षमा प्रार्थी हैं।

महासभा सहायता

★ **श्रीमती अरूणा जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री संजय जी जैन, 4/38-39, हाउसिंग बोर्ड काला कुंआ, अलवर ने अपने पति स्व. श्री संजय जी जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 2100/- भेंट किये। *(र.सं. 5456)*

पत्रिका सदस्यता

3206. **Sh. Pramod Kumar Ji Jain** (Alipur Wale) 1/6, Kala Kuan, Aravali Vihar, Alwar-301001, Mob.: 9828264159 *(CR D-2859)*

3207. **Sh. Pawan Ji Jain,** D-126, Awadhpuri, Gandhi Path West, Jaipur-302021 (Raj.), Mob.: 9549911739 *(CR D-2858)*

3208. **Sh. Kamal Chand Ji Jain,** 1411-G, Vijay Nagar, Near Nightingale Girls College, Alwar-301001 (Raj.)

गंधोदक केवल मस्तक पर लगाना चाहिये

भगवान का गंधोदक परम पवित्र है वह कोई साधारण जल नहीं है; अपितु भगवान के शरीर के स्पर्श से अत्यन्त पवित्र हुआ है। इसकी महान विनय करनी चाहिए तथा मात्र उसे दो अँगुलियों से लेकर केवल मस्तक पर (माथे पर) विनयपूर्वक लगाना चाहिए। शरीर का अन्य कोई भाग गंधोदक लगाने लायक नहीं है। कुछ व्यक्ति उसे सिर पर, आँखों पर, गले पर, पेट पर, छाती पर लगाते हैं। कुछ व्यक्ति उसे पीने भी लगे हैं तथा अपनी दुकान तथा मकान पर ले जाकर छिड़कते हैं। यह महान अज्ञानता है तथा गंधोदक की महान अविनय होने के कारण महान पाप का कार्य है। शरीर के समस्त भागों से मल स्राव होता रहता है, इसलिये गंधोदक को मात्र मस्तक पर लगाना चाहिए।

रात्रि भोजन - निषेध

भोजन, शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। भोजन से हमारे शरीर को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं किन्तु भोजन कब और कैसा किया जाना चाहिए- इस सन्दर्भ में जैन तथा जैनेतर शास्त्रों में पर्याप्त चर्चा है। आहार की सात्विकता, शुद्धता एवं पवित्रता नितान्त अपेक्षित है। इसके साथ-साथ यह ध्यातव्य है कि सूर्यास्त से पूर्व ही सांयकालीन भोजन कर लेना चाहिए। रात्रि भोजन का शास्त्रों में निषेध है। रात्रि भोजन, अंहिसा एवं स्वास्थ्य दोनों ही दृष्टियों से प्राकृतिक जीवन पद्धति के प्रतिकूल है।

लोकविश्रुत योग शास्त्र नामक ग्रन्थ में 'रात्रि भोजन निषेध' की व्यापक चर्चा करते हुए कलिकाल सर्वज्ञ आचार्य श्री हेमचन्द्र जी ने लिखा है-

अन्नं प्रेम पिशाचाद्यैः संचरद्भिर्निरंकु शैः ।
उच्छिष्टं क्रियते यत्र, तत्र नाद्यात् दिनात्यये॥
घोरान्धकारुद्धाक्षेः पतन्तो यत्र जन्तवः ।
नैव भोज्ये निरीक्ष्यन्ते, तत्र भुञ्जीत को निशि॥
मेघां पिपीलिका हन्ति, यूका कुर्याज्जलोदरम् ।
कुरुते मक्षिका वान्तिं, कुष्ठरोगं चाकालिकाः॥

अर्थाथ् रात्रि में निरंकुश भ्रमण करने वाले भूत-प्रेत, व्यन्तर तथा पिशाच इत्यादि भोजन को जूठा कर देते है। अतः रात्रि भोजन नहीं करना चाहिए।

रात्री भोजन करने वाले सूअर, कौआ, उल्लू, कुत्ते, बिल्ली की पर्याय में जन्मते है, ऐसा योग्य शास्त्र के तृतीय प्रकाश श्लोक नं. 67 में लिखा है एवं महाभारत के ज्ञान पर्व अध्याय नं. 70 श्लोक नं. 273 में एवं पद्मपुराण प्रथम भाग पेज नं. 325 पर भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित जिसे पन्नालाल जी साहित्याचार्य ने लिखा है। इसका उल्लेख श्री अभिधान राजेन्द्र कोष में भी है।

वैदिक ग्रन्थ सहस्त्रनामस्त्रोत, ऋगवेद, उपनिषद, आदिपुराण व पदमपुराण में भी रात्री भोजन का प्रत्यक्ष रूप से निषेध किया गया है विज्ञान की मान्यतानुसार सूर्यास्त के बाद मानव के तेजस केन्द्र जो भोजन को पचाने का काम करता है, जो सूर्य की गर्मी के कारण सक्रिय रहता है, सूर्यास्त के बाद तेजस केन्द्र सिकुड कर निष्क्रिय हो जाता है, जिससे भोजन पचने के बजाय सड़ जाता है। आयुर्वेदानुसार सोने से 4 घण्टे पूर्व करना चाहिये, अन्यथा वह भोजन सड़ जाता है। अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं।

रात्री भोजन में चींटी खाने से बुद्धि का नाश व जू खाने से जलोधर, मक्खी से वमन, छिपकली से कोड, बिच्छु से तालुवेध, बाल से स्वर भंग होता है। सूर्य देव की प्रथम किरणों से सूर्य मुखी एवं कमल जैसे दिव्य पुष्प खिलते हैं, और सूर्यास्त होने पर पुष्पों की पंखुडिया स्वतः ही सिकुड़ जाती है। ठीक सूर्यास्त के साथ पाचन तंत्र भी सिकुड जाता है। उसमें पडा हुआ भोजन सड़कर अर्जीण हो जाता है। जैन शास्त्र पद्मपुराण में लिखा है चत्वारो नरकद्वाराः प्रथम रात्री भोजनम् परस्त्रीगमनं चैव सन्धानान्त कायिके। नरक के द्वार रात्री भोजन व परस्त्रीगमनं एवं जमीकन्द का भक्षण है। मार्कड पुराण एवं महाभारत में लिखा है, रात्री भोजन करने वाले व कन्दमूल भक्षण करने वाले नरक में जाते हैं। ''स्कन्ध पुराण कपोल मोचन'' श्लोक 24 में लिखा है। सूर्यास्त होने पर पानी-पीना खून पीने के समान है। महाभारत व मार्कण्डय पुराण के अध्याय 33 के श्लोक में लिखा है ''अस्तंगते दिवानाघे आपो रूधिरमुच्यते। अन्नं मांस-सम प्रोक्तं मार्कण्डय-महार्षिणा''॥ अर्थात् सूर्यास्त होने पर अन्न खाना मांस खाने के समान व पानी-पीना खून पीने के के समान है। निश्चय ही त्यागी की परीक्षा होती है, क्योकि संदेह हमेशा सोने की शुद्धता पर किया जाता है।

रक्तिभवन्ति तोयानि, अन्नानि पिशितानी च।
रात्रौ भोजनसक्तस्य, ग्रासे तन्मासंभक्षणम्॥

अर्थात्- रात में पानी खून हो जाता है तथा अन्न मांस हो जाता है इसलिए रात्री भोजन में आसक्त मनुष्य मांस भक्षी के समान है रात्री भोजन करने वाले नरकगति को प्राप्त होते हैं।

अहिंसा सत्य मस्तेयं, ब्रह्मचर्यमसद्वांता।
मघ-मांस मधु-त्याग-रात्री भोजन वर्जनम्॥

अर्थ- जैनेत्तर शास्त्रों में कहा है अहिंसा, सत्य, अचोर्य, बृह्मचर्य, अपरिग्रह का पालन करना चाहिए, मदिरा, मांस,

मधु व रात्री भोजन का सर्वथा त्याग करना चाहिये।

उपदेश प्रसाद नामक ग्रन्थ में उल्लेख है कि स्त्री हत्या, विप्र हत्या, बाल हत्या तथा गौहत्या इन चार हत्यायों से भी अधिक रात्री भोजन का पाप होने के कारण तद्भव मोक्षगामी दशरथ नन्दन श्री रामचन्द्र जी के लघु भ्राता लक्ष्मण जी को पत्नी वनमाला ने रात्री भोजन न करने की शपथ दिलाई थी। लक्ष्मण जी ने वनमाला को वचन दिया था, यदि वापस न आऊं तो रात्रि भोजन करने वाले को जितना पाप लगता है उतना पाप मुझे लगे। श्री निशीथ सूत्र चूर्णि में उल्लेख है कि रात्री भोजन में चूहे की मींगणी खाने में आ जाये तो मूत्र-रोग व अनेक व्याधि हो जाती हैं। प्रत्यक्ष प्रभावी कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्य जी ने योग शास्त्र में लिखा है जो प्राणी आजीवन पूर्णत रात्री भोजन व जल का त्याग करता है उसे आधी आयुष तक अखण्ड रूप से उपवास की तपस्या का उत्तम लाभ मिलता है और साक्षात् अतिशय की प्राप्ति होती है। कुदरत के परिषह में जो सफल हो जाता है वह निखर जाता है, असफल होने वाला बिखर जाता है।

संकलनकर्ता : महावीर जैन, *अलवर*

विधवा सहायता

★ **श्री महावीर प्रसाद जी जैन, श्री राजेश कुमार जी जैन** (सांथली वाले) निवासी 255, आर्य नगर, स्कीम 1, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 6000/- भेंट किये। *(र.सं. 5398)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-77 ने विधवा सहायता हेतु रु. 6000/- भेंट किये। *(र.सं. 5336)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-77 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5000/- भेंट किये। *(र.सं. 5337)*

दिवंगत जैन मुनि तरुण सागर जी द्वारा रचित कविता

आदमी की औकात

फिर घमंड कैसा
घी का एक लोटा,
लकड़ियों का ढेर,
कुछ मिनटों में राख.....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

एक बूढ़ा बाप शाम को मर गया,
अपनी सारी ज़िन्दगी,
परिवार के नाम कर गया,
कहीं रोने की सुगबुगाहट,
तो कहीं ये फुसफुसाहट....
अरे जल्दी ले चलो
कौन रखेगा सारी रात.....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

मरने के बाद नीचे देखा तो
नज़ारे नज़र आ रहे थे,
मेरी मौत पे.....
कुछ लोग ज़बरदस्त,
तो कुछ ज़बरदस्ती
रोए जा रहे थे।
नहीं रहा.....चला गया.....
दो चार दिन करेंगे बात.....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

बेटा अच्छी सी तस्वीर बनवायेगा,
उसके सामने अगरबत्ती जलायेगा,
खुश्बुदार फूलों की माला होगी....
अखबार में अश्रुपूरित श्रद्धांजलि होगी.....
बाद में शायद कोई उस तस्वीर के
जाले भी नहीं करेगा साफ़....
बस इतनी-सी है
आदमी की औकात!!!!

जिन्दगी भर,
मेरा-मेरा किया....
अपने लिए कम,
अपनों के लिए ज्यादा जिया....
फिर भी कोई न देगा साथ.....
जाना है खाली हाथ....
क्या तिनका ले जाने के लायक भी,
होंगे हमारे हाथ??? बस
ये है हमारी औकात.... !!!!

जाने कौन सी शोहरत पर,
आदमी को नाज है!
जो आखरी सफर के लिए भी,
औरों का मोहताज है!!!!

फिर घमंड कैसा ?
बस इतनी सी है
हमारी औकात.... !!!!

बूंद से मोती

अयोध्या सिंह जी उपाध्याय अपनी सरस एवं ज्ञानवर्धक कविता 'एक बूंद' में लिखते हैं कि बादलों की गोद में एक बूंद थी। जब वह वहां से निकली तो उसके मन में भय था, आशंका थी कि अब उसका क्या होगा। लेकिन उसी समय एक ऐसी हवा चली कि वह सीप के मुंह में गिर गई और मोती बन गई।

'बह गई उस काल कुछ ऐसी हवा
वह समंदर ओर आई अनमनी
एक सुंदर सीप का मुंह था खुला
वह उसी में जा पड़ी मोती बनी।'

ठीक इसी प्रकार हमारा जीवन भी है। यदि सत्संग मिले, सत्साहित्य का स्वाध्याय किया जाए और फिर उसका अनुसरण भी किया जाए तो जीव की मुक्ति हो सकती है, वह मोती बन सकता है।

भक्ति की अभिव्यक्ति अनेक प्रकार से होती है। भक्ति के 9 प्रकार बताए गए हैं। इसे नवधा भक्ति कहते हैं। श्रवण, कीर्तन, स्मरण, चरण सेवा, पूजन, वंदना, दास्य भाव, आत्मसमर्पण और सख्य भाव। श्रीमद्भागवत, विष्णु पुराण तथा रामचरितमानस में भक्ति के इन नौ रूपों का उल्लेख किया गया है। भक्ति से ही मुक्ति मिलती है। बाल्मीकि जी लिखते हैं कि जिसने शीतल एवं शुभ्र सज्जन-संगति रूपी गंगा में स्नान कर लिया, उसको यज्ञ आदि से क्या प्रयोजन है। आदि शंकराचार्य जी कहते हैं कि मनुष्य जन्म, मोक्षेच्छा और महापुरुषों की संगति ईश्वर की कृपा से ही मिलती है। ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के लिए भक्ति का मार्ग बताया गया है। भक्ति की अभिव्यक्ति 'स्तव' कहलाती है। जैन धर्म में चौबीसों तीर्थंकरों के नाम का कथन और गुणों का कीर्तन करके उनको मन-वचन-काया से नमस्कार करना 'स्तव' नाम का गुण कहा जाता है। मुक्ति की एक युक्ति है- भगवान के गुणों के प्रति अनुराग रखो, भक्ति करो। भगवान को देखते रहने से भी स्तुति होती है, भक्ति होती है। भक्त भाव विभोर हो जाता है और भगवान के सामने कुछ बोल ही नहीं पाता। अर्हंत भगवान की जय-जयकार करने से अनेक कर्मों की निर्जरा होती है।

भक्त और भगवान के बीच भक्ति सेतु का काम करती है। भक्ति करने से चित्त को शांति मिलेगी, नकारात्मक विचारों का क्षय होगा, अहंकार घटेगा, भव रोगों का नाश होगा एवं हमारा मनुष्य जन्म लेना सार्थक होगा। भगवान प्रत्यक्ष हो या ना हो प्रार्थना करने वाला तो उनके गुणों का स्मरण करके पवित्र हो जाता है। ''हे भगवान! आप तो सुन ही नहीं रहे हैं।'' यह भी एक प्रकार का स्तव है। श्री सम्मेद शिखरजी में चंद्रप्रभ भगवान की टोंक पर बैठी एक वृद्धा कहती है- हे भगवान, तुम यहां आकर बैठे हो, हम तो यहां पर आते हुए थक गए हैं। धन्य हैं प्रभो। हमारा भी कल्याण करो। यह भी इस स्तव ही है। भगवान से प्रार्थना करना कि हमारे कर्मों का नाश हो। यह भी स्तव है। आपकी कृपा से मेरा सब काम हो गया है। यह भी स्तव है। भगवान की भक्ति में स्वाध्याय का भी महत्व है। स्वाध्याय से ज्ञान-चक्षु खुलते हैं।

युग शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी जब स्तवन करते हैं तो दोनों हाथ जोड़कर गुनगुनाते हुए करते हैं। उनके चेहरे से आनंद का स्रोत बहता है। वे एक-एक शब्द को पीते हैं, आत्मसात करते हैं। चौबीसों भगवंतों की स्तुति गान करने वाले छोटे-छोटे अनेक स्तोत्र हैं, पर आचार्यश्री जी का 'स्वयंभू स्तोत्र' का पाठ उन्हें नई ऊर्जा, नए उत्साह, नए भावों से भर देता है। वे इसमें तन्मय हो जाते हैं। ऐसी तन्मयता अत्यंत दुर्लभ है। स्वयंभू स्तोत्र आचार्य श्री समंतभद्र स्वामीजी ने लिखा है। इसमें 143 श्लोक हैं। यह सब 24 तीर्थंकरों की स्तुति स्तोत्र है।

एक तीर्थंकर को नमस्कार करना वंदना है। अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने के लिए भक्ति रूपी दीपक का सहारा लेना चाहिए। भगवद्भक्त बीहड़ घनघोर जंगल में भी रास्ता पा लेता है लेकिन भगवान को भूल जाने वाला मनुष्य साफ-सुथरे रास्ते पर भी भटक जाता है।

नाम जप की महिमा बताते हुए भक्त शिरोमणि तुलसीदास कहते हैं-

''तुलसी मेरे राम को रीझ भाजे या खीज,
भौम पड़ा जामे सभी उल्टा सीधा बीज।''

अर्थात भूमि में जब बीज बोए जाते हैं तो यह नहीं देखा जाता कि बीज उल्टे पड़े हैं या सीधे, पर फिर भी कालांतर में फसल बन जाती है। इसी प्रकार नाम सुमिरन कैसे भी किया जाए उसके सुमिरन का फल अवश्य मिलता है।

हमारा देश आत्मा की शुद्धता के प्रयासों के लिए जाना जाता है। भारत को योगभूमि कहते हैं, इसलिए जीवन में संतुलन का विशेष महत्व है- सात्विक चर्या, सात्विक अन्न एवं सात्विक विचार। श्रेष्ठ विचार ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है। दिव्य व आध्यात्मिक विचार हमारे अंतःकरण को परिष्कृत कर शुभत्व, देवत्व और परमार्थ प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख करते हैं उनसे आनंद, माधुर्य, सौन्दर्य आदि दिव्यताएं स्वतः ही स्फुरित होने लगती हैं।

अतः आइए! हम भी भक्ति सागर में श्रद्धापूर्वक अवगाहल करें और परम सुख की अनुभूति करें। गुरुवर आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज कहते थे कि प्रत्येक जीव अपना आत्म कल्याण करने के लिए स्वतंत्र है। अतः अपने कल्याण के लिए भक्ति का आश्रय लें। आप बूंद से मोती बन सकते हैं।

-सुभाष चंद्र पालीवाल
फ्लेट नं. 1 एम डी, वैष्णवी धाम, ब्लॉक सी,
जोका पोस्ट ऑफिस, ठाकुरपुकुर कोलकाता

सुख का अर्थ केवल कुछ पा लेना नहीं, अपितु जो है उसमें संतोष कर लेना भी है। जीवन में सुख तब नहीं आता जब हम ज्यादा पा लेते हैं बल्कि तब भी आता है जब ज्यादा पाने का भाव हमारे भीतर से चला जाता है। सोने के महल में भी आदमी दुखी हो सकता है यदि पाने की इच्छा समाप्त नहीं हुई हो और झोपड़ी में भी आदमी परम सुखी हो सकता है यदि ज्यादा पाने की लालसा मिट गई हो तो। असंतोषी को तो कितना भी मिल जाये वह हमेशा अतृप्त ही रहेगा। सुख बाहर की नहीं, भीतर की संपदा है। यह संपदा धन से नहीं धैर्य से प्राप्त होती है। हमारा सुख इस बात पर निर्भर नहीं करता कि हम कितने धनवान है अपितु इस बात पर निर्भर करता है कि कितने धैर्यवान हैं। सुख और प्रसन्नता आपकी सोच पर निर्भर करती है।

-आयुष जैन, *सी-326, सूर्य नगर, अलवर*

नेता कैसा हो?

जिन्हें पद, मान की चाह हो,
अपनी समृद्धत-समृद्धि का अभिमान हो,
समाज जनों को कैसे जोड़ेंगे, वो
जिनका अहम महान हो।

जहां स्वजनों की चाह हो,
वैमनस्यता, भेदभाव अपार हो,
समाज जनों को कैसे जोड़ेंगे, वो
जिनका अहम महान हो।

जो हठधर्मिता भारी हो,
और निज वैभव अभिमान हो,
समाज जनों को कैसे जोड़ेंगे, वो
जिनका अहम महान हो।

जहां शोषित, वंचित की चीख-पुकार पर,
पक्षपात भारी हो,
ना हो जहां कोई सच सुनने वाला,
राजा की ऐसी क्या लाचारी हो,
जानबूझकर भी राजा सच से अनजान हो,
समाज जनों को कैसे जोड़ेंगे, वो
जिनका अहम महान हो।

जिनको समाज के दीन-दुःखी,
शोषित पीड़ित का भान हो,
निज समाज को परम वैभव पर,
पहुंचाने की ठान हो,
जहां सत्य जानने को आतुर,
सब सभा-जन महान हो,
भेदभाव का नाम ना हो,
निज स्वार्थ का त्याग हो,
हे समाज जन उन्हें वोट देना,
जिनका लक्ष्य महान हो।
जिनका लक्ष्य महान हो।

-विनोद जैन, सवाई माधोपुर

दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत उत्तम आकिंचन धर्म की आराधना

आत्मा अजर-अमर है और निश्चय नय की दृष्टि से शुद्ध भी किंतु जब तक कर्म लगे रहते हैं तब तक आत्मा अपनी विशुद्ध दशा को प्राप्त नहीं कर पाती और इसी कारण उसे संसार में 84,00,000 योनियों में भटकना पड़ता है, इसलिए जैन आचार्यों ने आत्मा के भटकन का मार्ग रोकने के लिए सम्यक्त्व का मार्ग सुझाया। जब इस जीव को आत्म श्रद्धान हो जाता है तब वह आत्मा के वैभव को पा लेता है वरना स्थिति यह रहती है कि-

आप अकेलो अवतरै,
मरे अकेला होय।
यूं कबहूं इस जीव को,
साथी सगा न कोय॥

इस संसार में हमारा कोई साथी नहीं है। अगर कोई साथी है तो वह है धर्म। हमें आकिंचन वृती बनना है, अपरिग्रह धर्म को अपनाना है तो गृहस्थ अवस्था में, श्रावक अवस्था में हमें परिग्रह परिमाण व्रत लेना चाहिए। श्रावक के लिए परिग्रह परिमाण अणुव्रत और साधु के लिए अपरिग्रह महाव्रत धारण करने के लिए आगम में बताया गया है।

जो मुनि सभी प्रकार के परिग्रहों से रहित होकर सुख-दुख के देने वाले कर्म जनित निज भावों को रोककर निश्चिंतता से आचरण करता है उसके आकिंचन धर्म होता है।

आकिंचन धर्म के विपरीत परिग्रह का भाव है। यह मेरा है, ऐसा संकल्प रखना परिग्रह है और मेरा कुछ भी नहीं है, ऐसा मानना, आचरण करना अपरिग्रह व्रत है।

महाराष्ट्र में कहावत है कि 'मनाचा ब्रेक उत्तम ब्रेक' अर्थात् यदि मन पर नियंत्रण है, मन पर संयम है जो उत्तम संयम है।

मैं एक अकेली शाश्वत आत्मा हूं, यह जानना औरश देखना मेरा स्वभाव है। शेष जो भी भाव हैं वह सब बाहरी हैं और संयोग से उत्पन्न हुए हैं, ऐसा मानकर कोई भी पदार्थ मेरे नहीं हैं, जीव के नहीं हैं। जीव के आकिंचन का भाव है, निष्परिग्रहत्व का भाव है तो वह विचारता है कि- मैं अकेला हूं, मैं शुद्ध हूं, मैं आत्म रूप हूं, मैं दर्शन ज्ञान रूप हूं, मैं अन्य किसी भी रूप वाला नहीं हूं। परमाणु मात्र भी मेरा नहीं है। ऐसा मानने वाला अपरिग्रही ही होता है।

यहां की स्थिति बड़ी विचित्र है इसीलिए कहते हैं कि-

यह दुनिया भी अजीब सराये फानी देखी।
यहां की हर चीज आनी जानी देखी॥
जो आकर ना जाए वह बुढ़ापा देखा।
और जो जाके ना आए वह जवानी देखी॥

अपरिग्रह व्रत के पालन के लिए आभ्यंतर और बाह्य परिग्रह का त्याग करना होता है। आभ्यंतर परिग्रह हैं- मिथ्यात्व, क्रोध, मान, माया, लोभ, हास्य, रति, अरति, शोक, भय, जुगुप्सा, स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद तथा बाह्य परिग्रह हैं- क्षेत्र अर्थात् क्षेत्र या भूमि, मकान, चांदी, सोना, धन, धान्य, दासी, दास, वस्त्र और बर्तन। इन सभी का त्याग करना चाहिए।

पूजन में हम सब पढ़ते हैं कि- उत्तम आकिंचन व्रत जानो,

परिग्रह चिंता दुख ही मानो।
फांस तनक सी तन में साले,
चाह लंगोटी की दुःख भाले॥

छोटा सा परिग्रह भी दुःखदाई होता है अतः परिग्रह का त्याग करने के लिए महाव्रत धारण करना चाहिए और आकिंचन व्रती बनकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। आत्मा का उद्धार करना चाहिए।

उत्तम आकिंचन धर्म की जय।

जैनों को अमीरी से जोड़ना बंद करना होगा, अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना बन्द करो

1950 में, महाराष्ट्र में, मराठा अपने आप को रजवड़ों से जोड़ते थे, झूठी अमीरी और राजसी शान का गुणगान करते नहीं थकते थे, नतीजा क्या हुआ। आज 50 साल बाद, उनको रिजर्वेशन के लिये अपना ही महाराष्ट्र जलाना पड़ रहा है, आज वे गाली बक रहे हैं अपने ही लोगों को जो 1950 में झूठी अमीरी में जीते थे। आज महाराष्ट्र में अन्य लोग मराठों नफरत से करते हैं। यही हाल राजपूतों का भी हुआ।

जैनों को ये बात समझनी होगी कि लोकतंत्र में विक्टिम ही बने रहना चाहिये, तभी सरकारी योजनाओं का फायदा मिलता है। हो सकता है कुछ जैन के पास पैसा हो, लेकिन अमीरी के इस गुणगान के पीछे की कहानी क्या है-

1. जैन न तो सरकारी स्कीम का फायदा ही लेता है, और 'जैन अमीर हैं' ये सोच कर न ही कोई सरकार उनके लिए कोई स्कीम ही बनाती है।

2. जैन अमीर हैं ये सुनकर, लव जिहादी जैन की लड़कियों के शिकार पर निकल पड़े हैं।

3. जैन अमीर हैं, ये सुनकर, अपहरण करने वाले, रॉबरी करने वाले जैन के घरों को निशाना बना रहे हैं।

4. जैन अमीर हैं, ये सुन-सुन कर हमारे आस-पड़ोस में रहने वाले लोग हमसे जलन रखने लग गए हैं।

5. जैन अमीर हैं, ये सुनकर EWS के स्कीम में सबसे जांच पड़ताल जैन की फ़ाइल की ही होती है।

6. जैन अमीर हैं, ये सुनाकर ईसाई मिशनरी, गरीब जैनों को बोल रही है कि तुम्हारे अमीर जैन भाई तुम्हारी मदद क्यों नहीं करते।

अमीर जैन के लिये हो सकता है इन सब बातों से कोई फर्क न पड़ता हो, लेकिन एक गरीब जैन ....?

भाइयों झूठी शान से बाहर निकलो और जैन अमीर है ऐसी गप्प मारना बंद करो। अगर अमीर हो तो अपने गरीब भाइयों की मदद करो और सरकार पर दबाव बनाओ की जैनों के लिये अच्छी योजना बनाओ।

विश्व जैन संगठन द्वारा विशाल पैदल मार्च

विश्व जैन संगठन द्वारा सर्वोच्च जैन तीर्थ पारसनाथ पर्वत को बिना जैन समाज की सहमति के वन्य जीव अभ्यारण्य का एक भाग घोषित कर पर्यटन स्थल बनाकर तीर्थ की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता नष्ट करने वाली अधिसूचना रद्द कराने और पर्वत को पवित्र 'जैन तीर्थस्थल' घोषित कराने की मांग हेतु प्रसिद्ध जैन लाल मंदिर, लाल किला से राजघाट, दिल्ली तक विशाल पैदल मार्च का आयोजन किया गया।

विशाल पैदल मार्च के संयोजक विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि केंद्र व झारखंड सरकार को दिए निवेदनों पर कोई कार्यवाही न किये जाने के विरोध में 2 अगस्त को काला दिवस के रूप में मनाते हुए विशाल पैदल मार्च का आयोजन किया गया।

जैन संत पूज्य क्षुल्लक श्री योगभूषण जी महाराज, गुरु गणी श्री राजेंद्र विजय जी महाराज और भट्टारक सौरभ जी ने अनादि काल से जैन तीर्थ की स्वतंत्र पहचान और प्राचीन प्राकृतिक स्वरुप को पूर्ववत बनाये रखने और झारखण्ड सरकार व वन मंत्रालय से शास्वत जैन तीर्थ को वन्य जीव अभ्यारण्य व पर्यटन स्थल आदि की सूची से बाहर करने की मांग की।

लाल किले से राजघाट तक उमस भरी गर्मी में धूप में तीन किमी पैदल चलकर सभी ने श्री सम्मेदशिखर जी की रक्षा के लिए सुबह 10 बजे लाल किला पहुंचने से लेकर राजघाट तक किसी ने ना ही कुछ खाया और न ही पानी पिया।

दिल्ली की प्रमुख जैन संस्थाओं के पदाधिकारी श्री चक्रेश जैन, मदन लाल जैन, पवन गोधा, विकास जैन, नीरज जैन, पुनीत जैन, महासभा से सुमित जैन और दिल्ली व अन्य राज्यों से आये विभिन्न जैन संस्थाओं व अन्य गणमान्यों ने झारखंड और केंद्र सरकार से गजट रद्द कर पर्वत का वंदना मार्ग अतिक्रमण मुक्त, यात्री पंजीकरण, सामान जांच के लिए दो चेक पोस्ट, पर्वत पर सोलर लाईट और पर्वत व मधुबन की पवित्रता के लिए सम्पूर्ण क्षेत्र को मांस-मदिरा मुक्त पवित्र 'जैन तीर्थ स्थल' अतिशीघ्र घोषित करने की मांग की।

*-**सचिन जैन**, बड़ौत, उत्तर प्रदेश*

चमत्कारी शंख

किसी समुद्र तट पर एक मछुआरा रहता था, जिसका नाम दीनू था। वह दिन भर मछलियों को पकड़ता तथा शाम को पास के शहर में जाकर बेच देता। उसी में उसकी गृहस्थी खुशी-खुशी चल रही थी। वह घर में अकेला था। उस पर किसी की जिम्मेदारी नहीं थी। कभी-कभी उसे अकेलापन परेशान करता परंतु पास पड़ोस के बच्चों के बीच रहकर वह अपना सारा दुख भूल जाता। रोज शाम को शहर से वह तरह-तरह की चीजें लाता और बच्चों में बांट देता। बच्चे उससे बहुत प्यार करते और दीनू भी उन्हीं बच्चों को अपना परिवार मानता था।

दीनू के घर से थोड़ी दूर पर रामनाथ रहता था। उसकी एक बेटी पूजा थी। वह बहुत चंचल और नटखट थी परंतु जिद्दी ऐसी थी कि जो मांग लेती, न मिलने पर आसमान सिर पर उठा लेती थी। अगर वह किसी का कहना मानती, तो वह दीनू ही था। दीनू भी उससे स्नेह करता था।

एक रात पूजा सो रही थी। उसने सपने में एक बहुत बड़ा शंख देखा। सुबह उठी तो उसने रट लगा दी, मुझे सपने वाला शंख चाहिए। रामनाथ ने पूजा को समझाया पर वह नहीं मानी, अचानक उसे दीनू का ध्यान आया। वह झट दीनू के घर की ओर भागी। परेशान रामनाथ उसके पीछे-पीछे था। पूजा दीनू के घर जा पहुंची। दीनू मछली पकड़ने जाने वाला ही था। पूजा को देखते ही उसने अचरज से पूछा, 'अरे! पूजा कहां से भागती आ रही हो?' और उसने पूजा को दुलार से गोदी में उठा लिया।

'चाचा! मुझे सपने वाला बड़ा-सा शंख चाहिए।' पूजा ने हाथ से बड़ा-सा आकार दिखाया।

'तू उसका क्या करेगी?' दीनू ने आश्चर्य से पूछा। रामनाथ ने पूजा की जिद के बारे में उसे बताया। सुनकर दीनू हंस पड़ा।

'ठीक है, शाम को शंख लेता आऊंगा।' दीनू ने पूजा को समझाया। वह रोने लगी। बड़ी मुश्किल से उसे समझाकर दीनू ने उसे वापस भेजा।

दीनू मछलियां पकड़ने चल पड़ा। समुद्र तट पर दूसरे मछुआरे भी साथ थे। दुर्भाग्य से उस दिन दीनू के जाल में एक भी मछली नहीं फंसी। दीनू परेशान हो गया। शाम हो गई परंतु उसका भाग्य नहीं बदला। थक-हारकर वह किनारे लौटा। तभी उसकी आंखें चमक उठीं। सामने रेत पर उसे एक शंख दिखाई दिया। वह बहुत बड़ा और सुंदर था। उसमें से प्रकाश निकल रहा था। दीनू खुश होकर शंख की ओर बढ़ ही रहा था कि कहीं से दौड़ता हुआ एक आदमी आया और शंख को उठाकर चलता बना। दीनू के वहां पहुंचने से पहले ही वह गायब हो गया। दीनू खड़ा-खड़ा देखता रहा, फिर उदास मन से घर लौट गया। रामनाथ दीनू के घर पर ही बैठा था। उसने दीनू को देखते ही पूछा, 'भाई शंख लाए?'

'नहीं, आज न तो मछलियां ही मिलीं और न ही शंख।' दीनू उदास मन से बोला।

'पूजा को अब कैसे समझाऊं? सुबह से शंख की रट लगाए बैठी है। बड़ी मुश्किल से सोई है। न जाने क्यों, उसे बुखार भी हो गया है।' रामनाथ परेशान स्वर में बोला।

'भगवान पर भरोसा रखो। सब ठीक हो जाएगा। कल चाहे जैसे भी होगा, मैं जरूर शंख ले आऊंगा।' दीनू यह कहते हुए घर के अंदर चला गया। दीनू रात भर सो न सका। उसकी आंखों के सामने बार-बार पूजा का रोता हुआ चेहरा घूम आता था। दीनू ने मन ही मन प्रण किया कि कल मैं किसी भी कीमत पर शंख जरूर ले आऊंगा। सुबह पौ फटने से पहले ही दीनू समुद्र में उतर गया। मछलियों का ढेर लग गया परंतु शंख एक भी न मिला। तभी उसने एक व्यापारी को देखा, जो चिल्ला-चिल्ला कर लोगों से कह रहा था, 'मेरे पास एक अद्भुत शंख है, इस सदियों पुराने शंख को जो खरीदेगा, उसके घर में लक्ष्मी आएगी। जो सबसे अधिक कीमत देगा, यह शंख उसी का हो जाएगा।' कहते हुए उसने झोले से एक शंख निकाला। अद्भुत और चमकीला। उस शंख को देखकर दीनू हैरान था, क्योंकि वह वही शंख था, जो उसने समुद्र के किनारे देखा था। दीनू से रहा नहीं गया। उसने जोर से चिल्लाते हुए कहा, 'भाइयो, यह सदियों पुराना शंख नहीं है। इसे इसने कल ही समुद्र के किनारे से उठाया है। इसे मैं उठाने ही जा रहा था कि यह उठाकर भाग गया।'

वहां खड़े लोग, जो शंख को खरीदना चाह रहे थे, भला-बुरा कहते हुए चले गए। वहां केवल वह शंख बेचने वाला ही खड़ा रह गया। उस ठग ने अपने साथियों के साथ मिलकर दीनू को खूब पीटा और उसके पैसे छीनकर भाग खडे हुए। दीनू को अपनी चोटों की परवाह नहीं थी, उसे केवल दुख इस बात का था कि अब वह पूजा के लिए शंख कैसे ले जाएगा, क्योंकि उसके सारे पैसों को ठग छीनकर ले गए थे। दीनू रात भर दुख से समुद्र किनारे ही बैठा रहा। सुबह होते ही दीनू भारी मन से घर की ओर चला। चोट लगने के कारण वह चल भी नहीं पा रहा था। रास्ते में

ही उसे रामनाथ मिल गया। दीनू उससे कुछ कह पाता, उससे पहले ही रामनाथ बोल पड़ा, 'दीनू तुम रात भर कहां थे? हम तुम्हें ढूंढ़ रहे थे। रात को ही तुम्हारा भेजा हुआ शंख पूजा को मिल गया। उसकी तबीयत अब ठीक है। वह उसी शंख के साथ खेल रही है और तुम्हें याद कर रही है। तुम जल्दी चलो।'

दीनू आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि उसने तो किसी की मार्फत शंख नहीं भेजा था। घर पहुंचकर उसने देखा कि पूजा शंख के साथ खेलती हुई बहुत खुश है। यह शंख ठीक वैसा ही था, जिस प्रकार का उस ठग के पास था। दीनू की समझ में नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया? उसी समय शंख से आवाज आई, 'दीनू आश्चर्य मत करो। मैं चमत्कारी शंख हूं। इस बच्ची की खुशी के लिए तुमने पिटाई खाई और अपने सारे पैसों को गंवाया। बच्चों में देवता का निवास होता है, जो बच्चों को हरदम खुश देखना चाहता है, उसकी देवता भी सहायता करते हैं। मैं स्वयं ही यहां आया हूं।' शंख की बात सुनकर सब आश्चर्यचकित रह गए.. !!

विधवा सहायता

श्री अमीर चंद जैन सेनि. आईएएस, निवासी नहर रोड, गंगापुर सिटी ने 2 विधवा सहायता हेतु रु. 24,000/- (र. सं. 5437) महासभा के विधवा सहायता कोष में प्रदान की। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके इस आत्मीय सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेगी एवं बार-बार अनुमोदना करती है।

जो अपने परिवार के लिए 21 से 60 वर्ष कमाने में व्यस्त रहे, उनके लिए समर्पित एक छोटी सी रचना

****

कैसे कटा 21 से 60
तक का यह सफ़र,
पता ही नहीं चला।

क्या पाया, क्या खोया,
क्यों खोया,
पता ही नहीं चला!

बीता बचपन,
गई जवानी
कब आया बुढ़ापा,
पता ही नहीं चला।

कल बेटे थे,
कब ससुर हो गये,
पता ही नहीं चला!

कब पापा से
नानु बन गये,
पता ही नहीं चला।

कोई कहता सठिया गये,
कोई कहता छा गये,
क्या सच है,
पता ही नहीं चला!

पहले माँ बाप की चली,
फिर बीवी की चली,
फिर चली बच्चों की,
अपनी कब चली,
पता ही नहीं चला!

बीवी कहती
अब तो समझ जाओ,
क्या समझूँ,
क्या न समझूँ,
न जाने क्यों,
पता ही नहीं चला!

दिल कहता जवान हूँ मैं,
उम्र कहती है नादान हूँ मैं,
इस चक्कर में कब
घुटनें घिस गये,
पता ही नहीं चला!

झड़ गये बाल,
लटक गये गाल,
लग गया चश्मा,
कब बदली यह सूरत
पता ही नहीं चला!

समय बदला,
मैं बदला
बदल गई मित्र-मंडली भी
कितने छूट गये,
कितने रह गये मित्र,
पता ही नहीं चला

कल तक अठखेलियाँ
करते थे मित्रों के साथ,
कब सीनियर सिटिज़न
की लाइन में आ गये,
पता ही नहीं चला!

बहु, जमाई, नाते, पोते,
खुशियाँ आई,
कब मुस्कुराई उदास
ज़िन्दगी,
पता ही नहीं चला।

जी भर के जी लो प्यारे
फिर न कहना कि...
मुझे पता ही नहीं चला।

संकलन :
चन्द्रशेखर जैन

शाखा मुम्बई

अ.भा.प. जैन महासभा की मुम्बई शाखा के द्वारा चलाया जाने वाला बहुचर्चित ग्रुप "Ek Duje ke liye" ने एक नया फार्म बनाया है] जिससे सभी का बॉयोडाटा का पूरा रिकार्ड रखा जा सके और आवश्यकतानुसार लोगों की मदद की जा सके, जिससे सभी लोग अपने इच्छित वर-वधू का चुनाव बहुत ही सरलता से कर सकते हैं। यह सेवा बिल्कुल निःशुल्क है। आप सबसे अनुरोध है कि यह फार्म अपने मित्रों रिश्तेदारों को भी भेजें जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका फायदा हो सके। इसकी प्रथम पत्रिका प्रकाशित हो चुकी है। किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए सम्पर्क करें :-

SHASHI PALIWAL, *Mumbai*
Mob.: 9769894353
Updated Link :
https://forms.gle/GEDD8R53Siqig2nt6

कोई भी असुविधा होने पर आप हमें ईमेल भी कर सकते हैं और हमसे संपर्क भी कर सकते हैं :-

palliwalsamajmumbaishakha@gmail.com

****

शाखा आगरा ग्रामीण अंचल

आगरा-मथुरा रोड स्थित ग्राम रुनकता में श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आश्विन कृष्णा तृतीया दिन मंगलवार दिनांक 13.09.2022 को देवाधिदेव 1008 भगवान नेमिनाथ जी का वार्षिक कलशाभिषेक एवं पालकी यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्रामीण अंचल में स्थित ग्रामों तथा आगरा, सिकंदरा एवं आस-पास के शहरों में निवास करने वाले जैन समाज से सैकड़ों की संख्या में श्रावकगणों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम छोटे-छोटे बच्चों द्वारा संगीत की धुन पर धार्मिक भजनों पर नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही वृद्धजन सम्मान समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह भी किया गया। मंदिर जी के व्यास (माली) एवं उनके परिवार को भी सम्मानित किया गया।

श्रीजी एवं विनायक यंत्र जी को सिर पर विराजमान कर गांव में भ्रमण कराया गया। श्रीजी को सिर पर विराजमान करने का सौभाग्य श्री हुकम चंद - नरेन्द्र कुमार जैन, रुनकता परिवार एवं यंत्र जी को विराजमान करने का सौभाग्य श्री बिमल चंद - ऊषा जैन रुनकता परिवार को बोलियों के माध्यम से प्राप्त हुआ।

भ्रमण उपरान्त बोली के माध्यम से प्रथम कलशाभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न कराई गई। प्रथम कलशाभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न करने का सौभाग्य श्री गजेन्द्र-अंतेश जैन, रुनकता परिवार को प्राप्त हुआ।

आयोजन में श्रीमती ऊषा जैन 'मारसन्स', जितेन्द्र कुमार जी जैन, संजय जैन, अशोक जैन पूर्व डिप्टी मेयर, मनीष ठेकेदार, चन्द्र प्रकाश जैन, संजीव जैन, मंत्री ग्रामीण अंचल, पंकज जैन, देवकी नंदन जी, पवन चौधरी, रवीन्द्र जैन बुर्श वाले, पवन जैन, शेखर जैन, रिखब चंद जैन, दिनेश चंद जैन, भागचंद जैन, एवं समस्त सदस्य श्री नेमिनाथ नवयुवक मंडल रुनकता एवं श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रुनकता समिति के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

समस्त कार्यक्रम एवं पूजा-अर्चना विशाल जैन म्यूजिकल पार्टी के सानिध्य में पूर्ण हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री सौरभ जैन 'शास्त्री', मंत्री श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रुनकता समिति के द्वारा बहुत ही कुशलता पूर्वक किया गया। कार्यक्रम उपरान्त सभी पधारे हुए अतिथियों के वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई।

दस लक्षण पर्व

श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर पल्लीवाल जैन मंदिर, शक्ति नगर, गोपालपुरा बायपास, जयपुर में 12.08.2022 से 11.09.2022 तक भाद्रपद माह में विशेष आयोजन हुए।

31.08.2022 से दस लक्षण विधान का आयोजन रहा जो 09.08.2022 को हवन के साथ संपन्न हुआ। दो वर्ष कोरोना काल के पश्चात इस तरह के कार्यक्रम में सभी धर्मप्रेमी लोगों ने अतिउत्साह से भाग लिया। सभी लोगों ने बढ़-चढ़कर बोलियां एवं दान पुण्य किया।

शाम को महाआरती का आयोजन होता था आरती लेने वालों के घर से बैंड बाजे के साथ मंदिरजी में आरती आती फिर साज बाज के साथ श्रीजी की आरती होती उसके बाद भक्ति का रंगारंग कार्यक्रम होता। चंद्रप्रभु महिला मंडल एवं जन जागृति महिला मंडल के द्वारा रात्रि में भी कार्यक्रम- फैंसी ड्रेस, भजन, डांस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें सभी ने भाग लिया। इस पवित्र माह में पंचमी, चौदस और पड़वा को कलशाभिषेक हुए जिसमें माला पहनाने की बोलियां भी लोगों ने मनकर लगाई।

इस माह के अंतिम दिन पड़वा को कलशाभिषेक एवं सामूहिक क्षमावाणी पर्व मनाया गया। तपस्वियों का सम्मान भी किया गया, जिसमें समाज के लोग सैकड़ों की संख्या में मौजूद थे। मंदिर कमेटी की तरफ से खोपरा-मिश्री का प्रसाद बांटा और अंत में मंत्री सतीश कुमार जैन (हरसाना वाले) ने सभी का आभार प्रकट किया।

****

श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल जैन मंदिर, शक्ति नगर, गोपालपुरा बायपास, जयपुर कार्यकारिणी के द्विवार्षिक चुनाव दिनांक 11 सितंबर 2022 को संपन्न हुए कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को निर्विरोध रूप से निम्नानुसार चुना गया-

श्री शिखर चंद जैन
(अध्यक्ष)

अध्यक्ष- *श्री शिखर चंद जैन (नौगांव वाले)*, **मंत्री**- *श्री पारस जैन (गहनौली)*, **उपाध्यक्ष**- *श्री संजय जैन (अलीपुर वाले)*, **सहमंत्री**- *श्री महेश चंद जैन (खेरली वाले)*, **कोषाध्यक्ष**- *श्री सुरेश चंद जैन (भागीरथ नगर)*, **सदस्य**- *श्री निर्मल जैन (परवैणी वाले), श्री सतीश कुमार जैन (हरसाना वाले), श्री हरीश चन्द जैन (हरसाना वाले), श्री सुरेश चन्द जैन (परवैणी वाले), श्री राजेंद्र कुमार जैन (शक्ति नगर), श्री अनिल कुमार जैन (10बी स्कीम), श्री सुमत प्रसाद जैन (सूर्य नगर), श्री अशोक कुमार जैन (बापू नगर), श्रीमती मीना जैन (शुभम विहार), श्रीमती विमला जैन (जगदीश कॉलोनी)।*

श्री पारस जैन गहनौली
(मंत्री)

श्री आकाश जैन *(कोषाध्यक्ष- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा रावतभाटा)* सुपुत्र श्री दिनेश जी जैन ने मुनिश्री 108 शुद्ध सागर जी महाराज के आशीर्वाद से पर्युषण पर्व में दस दिन के उपवास की मुनिश्री के सानिध्य में साता पूर्वक पारणा हुई। समस्त समाज आपकी तपस्या एवं पुण्य की बारंबार आनुमोदना करता है।

भूल सुधार

माह जुलाई 2022 की पत्रिका में पृष्ठ 18 पर महासभा सदस्यों की सूची में 21 नं. पर नाम में त्रुटि होने पर खेद है, जिसे निम्न प्रकार पढ़ा जाये-

21. श्रीमती पंचम जैन पत्नी श्री वरूण कुमार जैन, 02/107, काला कुंआ अरावली विहार हाउसिंग बोर्ड, अलवर।

शोक संवेदना

श्रीमती उर्मिला जी जैन धर्मपत्नी श्री टीकम चन्द जैन (धनौली वाले) का स्वर्गवास दिनांक 08.08.2022 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए संवेदना प्रेषित करती है।

1. **श्री लोकेश जैन** पुत्र स्व.श्री रमेश चंद जैन, वर्धमान नगर, रूप होटल के पीछे, आदि गौड़ धर्मशाला के पास, हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5403)*
2. **नेहा जैन** पुत्री श्री त्रिलोक चंद्र जैन, वर्धमान नगर, रूप होटल के पीछे, आदि गौड़ धर्मशाला के पास, हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5404)*
3. **श्री रितिक जैन** पुत्र श्री त्रिलोक चंद्र जैन, वर्धमान नगर, रूप होटल के पीछे, आदि गौड़ धर्मशाला के पास, हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5405)*
4. **श्री रमन लाल जैन** पुत्र श्री लक्ष्मी चंद्र जैन, मंडावरा मार्ग, शिव कॉलोनी, हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5406)*
5. **श्री जितेंद्र कुमार जैन** पुत्र श्री लक्ष्मी चंद्र जैन, मंडावरा मार्ग, शिव कॉलोनी, हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5407)*
6. **श्रीमती शशि सेठी** धर्मपत्नी श्री कैलाश चंद, 48 श्रीराम वाटिका, 52 फीट हनुमान मंदिर के पीछे, आगरा रोड, बागराना जयपुर *(र.सं. 5408)*
7. **खुशी जैन** पुत्री श्री पारस जैन, वार्ड नं. 4, बानमोर, शीतला गली, बामोर खुर्द, मुरैना *(र.सं. 5409)*
8. **श्री हनी जैन** पुत्र श्री पारस जैन, वार्ड नं. 4, बानमोर, शीतला गली, बामोर खुर्द, मुरैना *(र.सं. 5410)*
9. **श्रीमती अंकिता जैन** धर्मपत्नी श्री मयंक जैन, मैन मार्केट, मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5411)*
10. **श्रीमती सत्यवती जैन** धर्मपत्नी श्री जगदीश प्रसाद जैन, मैन मार्केट, मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5412)*
11. **श्वेता जैन** पुत्री स्व. श्री देवेंद्र कुमार जैन, गांव व पोस्ट मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5413)*
12. **कमल जैन** पुत्र श्री गजेंद्र कुमार जैन, गांव व पोस्ट मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5414)*
13. **श्री रितिक जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, मैन बाजार मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5415)*
14. **श्रीमती ज्योति जैन** धर्मपत्नी श्री दीपक जैन, मैन चौराहा मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5416)*
15. **काजल जैन** पुत्री श्री मुकेश चंद्र जैन, मैन बाजार मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5417)*
16. **नेहा जैन** पुत्री श्री महावीर प्रसाद जैन, वार्ड नंबर 2, नई जैन कॉलोनी, हिंडौन सिटी *(र.सं. 5418)*
17. **श्री गोवर्धन जैन** पुत्र श्री मदन लाल जैन, म.नं. 498, सेक्टर 3ए, आवास विकास कॉलोनी, आगरा *(र.सं. 5419)*
18. **चंचल जैन** पुत्री श्री गोवर्धन जैन, म.नं. 498, सेक्टर 3ए, आवास विकास कॉलोनी, आगरा *(र.सं. 5420)*
19. **श्री हर्ष जैन** पुत्र श्री गोवर्धन जैन, म.नं. 498, सेक्टर 3ए, आवास विकास कॉलोनी, आगरा *(र.सं. 5421)*
20. **श्रीमती राजकुमारी जैन** धर्मपत्नी श्री गोवर्धन जैन, म.नं. 498, सेक्टर 3ए, आवास विकास कॉलोनी, आगरा *(र.सं. 5422)*
21. **श्रीमती अर्चना जैन** धर्मपत्नी श्री चंद्रशेखर जैन, गांव पोस्ट शेरपुर, तहसील हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5423)*
22. **श्रीमती संगीता जैन** धर्मपत्नी श्री विकास जैन, गांव पोस्ट शेरपुर, तहसील हिंडौन सिटी, जिला करौली *(र.सं. 5424)*
23. **श्रीमती निधि जैन** धर्मपत्नी श्री नितिन जैन, 1687, शक्ति कॉलोनी, पुराना बस स्टैंड, मंडावर, महुआ *(र.सं. 5425)*
24. **श्री नितिन जैन** पुत्र श्री शिखर चंद्र जैन, 1687, शक्ति कॉलोनी, पुराना बस स्टैंड, मंडावर, महुआ *(र.सं. 5426)*
25. **श्रीमती राजकुमारी जैन** धर्मपत्नी श्री गिरीश जैन, गांव पोस्ट मिढ़ाकुर, जिला आगरा *(र.सं. 5427)*
26. **श्रीमती पूनम जैन** धर्मपत्नी श्री अमित जैन, मैन चौराहा मिढ़ाकुर, जिला आगरा *(र.सं. 5428)*
27. **श्री मोहित जैन** पुत्र श्री उमेश चंद्र जैन, मैन बाजार मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5429)*
28. **श्री रजत जैन** पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन, वार्ड नं. 2, नई जैन कॉलोनी, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी *(र.सं. 5430)*
29. **श्रीमती संगीता जैन** धर्मपत्नी श्री रजत जैन, वार्ड नं. 2, नई जैन कॉलोनी, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी *(र.सं. 5431)*
30. **श्रीमती पुष्पा देवी** धर्मपत्नी श्री महावीर प्रसाद जैन, वार्ड नं. 2, नई जैन कॉलोनी, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी *(र.सं. 5432)*
31. **श्री महावीर प्रसाद जैन** पुत्र स्व.श्री भोदूराम, वार्ड नं. 2, नई जैन कॉलोनी, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी *(र.सं. 543)*
32. **श्री जितेंद्र जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, मैन बाजार, मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5434)*

34. **श्रीमती अन्नु जैन** धर्मपत्नी श्री प्रभाकर जैन, मैन मार्केट मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5435)*
36. **निशा जैन** पुत्री श्री प्रकाश चंद्र जैन, मैन बाजार मिढ़ाकुर, आगरा *(र.सं. 5436)*
37. **श्री नीरज कुमार जैन** पुत्र श्री विजय कुमार जैन, 2/5, बीबन्डी, रून्धवारा, फरूखाबाद *(र.सं. 5399)*
38. **श्री संदीप जैन** पुत्र श्री विजय कुमार जैन, 5368, लड्डूघाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली *(र.सं. 5452)*
39. **श्रीमती राजमणि जैन** धर्मपत्नी श्री संदीप जैन, 5368, लड्डूघाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली *(र.सं. 5453)*
40. **श्रीमती सन्नी जैन** धर्मपत्नी श्री नरेश कुमार जैन, 29बी, द्वितीय फ्लोर सलीनोल, राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली *(र.सं. 5454)*
41. **श्रीमती नमिता जैन** धर्मपत्नी श्री अजय जैन, जेए/26, फेज 1, अशोक विहार, नई दिल्ली *(र.सं. 5455)*
42. **श्री मयंक जैन** पुत्र श्री प्रदीप जैन, फ्लेट नं. 310, कावेरी ग्रीन अपार्टमेन्ट, कैलाश विहार, आगरा *(र.सं. 5457)*
43. **श्रीमती वीना जैन** धर्मपत्नी श्री राजिन्दर कुमार जैन, बी-3, रंजीत नगर, भरतपुर *(र.सं. 5458)*
44. **श्री शुभम जैन** पुत्र श्री राजिन्दर कुमार जैन, बी-3, रंजीत नगर, भरतपुर *(र.सं. 5459)*
45. **श्रीमती दीक्षा जैन** धर्मपत्नी श्री शुभम जैन, बी-3, रंजीत नगर, भरतपुर *(र.सं. 5460)*
46. **श्री हर्षित जैन** पुत्री श्री राकेश कुमार जैन, ई-141,रंजीत नगर, भरतपुर *(र.सं. 5461)*
47. **श्रीमती विनिता जैन** पत्नी श्री राकेश कुमार जैन, ई-141,रंजीत नगर, भरतपुर *(र.सं. 5462)*
48. **श्री राजेश कुमार जैन** पुत्र श्री अमीर चन्द जैन, 876 एस पी एम नगर, भरतपुर *(र.सं. 5463)*
49. **श्रीमती रश्मि जैन** धर्मपत्नी श्री राजेश कुमार जैन, 876 एस पी एम नगर, भरतपुर *(र.सं. 5464)*
50. **श्री श्रेयांश जैन** पुत्र श्री राजेश कुमार जैन, 876 एस पी एम नगर, भरतपुर *(र.सं. 5465)*
51. **श्रीमती पूनम जैन** धर्मपत्नी श्री प्रदीप जैन, फ्लेट नं. 310, कावेरी ग्रीन अपार्टमेन्ट, कैलाश विहार, आगरा *(र.सं. 5466)*

बधाई

श्रीमती लक्ष्मी जैन (अध्यापिका) पत्नी श्री शैलेश कुमार जैन पुत्रवधू श्री रमेशचंद्र जैन एवं श्रीमती प्रेमलता जैन (रसीदपुर वाले) हाल निवासी जनकपुरी, दाउदपुर, अलवर को महिला सशक्तिकरण तथा महिला अधिकारिता के क्षेत्र में संपादित किए गए उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय उपलब्धि पर दिनांक 26 अगस्त 2022 को महिला समानता दिवस पर जिला प्रशासन अलवर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

साक्षी जैन सुपुत्री श्रीमती सीमा जैन एवं स्व. श्री राजीव जैन तथा सुपौत्री श्रीमती मुन्नी देवी जैन एवं श्री सुमत चन्द जी जैन, 1/14 शांति कुंज, अलवर ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में VI रैंक प्राप्त कर असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित होकर समस्त पल्लीवाल जैन समाज को गौरवान्वित किया है।

कुशाल जैन सुपुत्र श्री पंकज जैन एवं श्रीमती रेखा जैन, सुपौत्र श्री अशोक कुमार जैन एवं श्रीमती माया देवी जैन (रसीदपुर वाले) महवा, जिला दौसा ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से माध्यमिक परीक्षा 2022 में 97% अंक प्राप्त कर पल्लीवाल जैन समाज का नाम रोशन किया है।

हर्षिता जैन सुपुत्री श्री पंकज जैन एवं श्रीमती रेखा जैन, सुपौत्री श्री अशोक कुमार जैन एवं श्रीमती माया देवी जैन (रसीदपुर वाले) महवा, जिला दौसा का नीट-2022 में चयनित होने पर समस्त पल्लीवाल जैन समाज का नाम रोशन किया है।

आश्वी जैन सुपुत्री श्री संजय कुमार जैन एवं श्रीमती श्वेता जैन, सुपौत्री श्री शिखर चंद जैन एवं श्रीमती तारा देवी जैन, निवासी आवास विकास कॉलोनी, सिकंदरा आगरा ने सीबीएसई की सेकेंडरी परीक्षा 97% अंक के साथ उत्तीर्ण कर समस्त पल्लीवाल जैन समाज का नाम रोशन किया है।

कीर्ति जैन सुपुत्री श्री शैलेश कुमार जैन सुपौत्री श्री रमेश चंद जैन, निवासी दाउदपुर अलवर ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान उच्च माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (कक्षा 12) कला वर्ग में 88.40% अंक प्राप्त किए।

अ.भा.प. जैन महासभा सभी को हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

भावभीनी श्रद्धांजलि

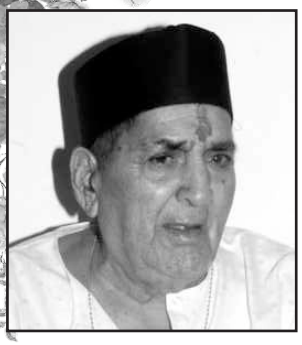

स्व. श्री शान्ती स्वरूप जी जैन
(पुण्य तिथि 13.09.2016)

स्व. श्रीमती सुशीला जी जैन
(पुण्य तिथि 25.06.2006)

स्व. श्री रोहिताश्व जी जैन
(पुण्य तिथि 16.02.2016)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं
प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये
अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
श्रीमती वीना जैन धर्मपत्नी स्व. श्री रोहिताश्व जैन
अरूण जैन-नीलम जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
मुदित जैन-मोनिका जैन
वैभव जैन-रिमझिम जैन
निखिल जैन
नवासे-नवासे वधु :
अंशुमन-शालू, विक्रम-शिल्पी
विशाल-सुमित, विनय-यूथिका

पुत्री-दामाद :
अनिला जैन-अशोक कुमार जैन
ममता जैन-उमेश कुमार जैन
स्व. मालती जैन-राकेश कुमार जैन
पौत्री-पौत्री दामाद :
स्वाति जैन-अमरेन्द्र जैन
नवासी-नवासी दामाद :
नेहा-राहुल
यामिनी-चिराग
ऋतु-भानु

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
माही, मानवित, हर्षिका, विहाना

निवास :
दीवान जी का बाग, स्कीम नं. 10-बी के सामने, अलवर

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती मालती जैन

(25.6.1964 - 30.09.2019)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र का स्मरण करते हुए
श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

राकेश जैन *(पति)*
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता (PHED)

देवर-देवरानी :
राजेन्द्र-कल्पना
प्रमोद-रचना

ननद-नन्दोई :
संगीता-जय प्रकाश
नीतू

पुत्र-पुत्रवधु :
विनय जैन-यूथिका जैन

पुत्री-दामाद :
ऋतु जैन-भानू जैन

पौत्र : ग्रहिल

नवासा, नवासी : आर्जव, वेदिका

भाई-भाभी :
बीना धर्मपत्नी स्व. श्री रोहिताश्व जैन
अरूण-नीलम

बहन-बहनोई :
अनिला-अशोक कुमार
ममता-उमेश कुमार

निवास

S-1, 183-184, Astvinayak Appartment, Kushibihar Colony, Near Patrakar Colony, Mansarovar, Jaipur • Mob.: 9829920033, 9783816698

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

** संशोधित दरें दिनांक 25.01.2022 से लागू*

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	3,000/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- ***पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।***
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

अजीत कुमार जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9413272178

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री धर्मचन्द जी जैन

(मौजपुर वाले)

(स्वर्गवास : 15 सितम्बर 2019)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भगवान से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
अरविन्द कुमार जैन-रेणुबाला जैन
योगेश कुमार जैन-अनिता जैन
लोकेश जैन-मन्जु माला जैन
प्रमोद जैन

पौत्र, पौत्री :
अदिती जैन, हिमकर जैन
नैना जैन, दिविशा जैन
निविशा जैन, यति जैन

भ्राता :
हरिश चन्द जैन
ज्ञानचन्द जैन-विजया जैन

भतीजे :
ओमप्रकाश जैन
सुरेश जैन
प्रेम प्रकाश जैन, तेज प्रकाश जैन
प्रदीप जैन, जय प्रकाश जैन

बहन-बहनोई :
श्रीमती ललिता जैन
बीनागंज

आशा जैन-सुभाष चन्द जैन
अलवर

निवास :
डी-36, हसन खां मेवाती नगर, अलवर, मो.: 9414427864
सी-138, हसन खां मेवाती नगर, अलवर, मो.: 6350260058
सी-197, मॉडल टॉउन, मालवीय नगर, जयपुर, मो.: 9413345453

S. R. ENTERPRISES

TRANSASIA

Roche

TOSOH

BIOMÉRIEUX

Ortho-Clinical Diagnostics
a Johnson & Johnson company

Abbott

BIO-RAD

SD BIOSENSOR,INC.

Stago
Diagnostics is in our blood.

B-18&19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Tonk Road, Jaipur-302018 (Rajasthan)
(M) +91-9829012628, +91-9414076265 E-mail : srindiaentp@yahoo.com

हमारे आदर्श कैसे होने चाहिए?

एक बात किसी की समझ में कभी नहीं आई कि ये फिल्म अभिनेता या अभिनेत्री ऐसा क्या करते हैं कि इनको एक फिल्म के लिए 50 करोड़ या 100 करोड़ रुपये मिलते हैं?

जिस देश में शीर्षस्थ वैज्ञानिकों, डाक्टरों, इंजीनियरों, प्राध्यापकों, अधिकारियों इत्यादि को प्रतिवर्ष 10 लाख से 20 लाख रुपये मिलता हो, उस देश में एक फिल्म अभिनेता प्रतिवर्ष 10 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक कमा लेता है। आखिर ऐसा क्या करता है वह?

देश के विकास में क्या योगदान है इनका? आखिर वह ऐसा क्या करता है कि वह मात्र एक वर्ष में इतना कमा लेता है जितना देश के शीर्षस्थ वैज्ञानिक को शायद 100 वर्ष लग जाएं?

आज जिन तीन क्षेत्रों ने देश की नई पीढ़ी को मोह रखा है, वह है- सिनेमा, क्रिकेट और राजनीति। इन तीनों क्षेत्रों से सम्बन्धित लोगों की कमाई और प्रतिष्ठा सभी सीमाओं के पार है। यही तीनों क्षेत्र आधुनिक युवाओं के आदर्श हैं, जबकि वर्तमान में इनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगे हैं। ये देश और समाज के लिए व्यर्थ ही हैं, बॉलीवुड में ड्रग्स व वेश्यावृत्ति, क्रिकेट में मैच फिक्सिंग, राजनीति में गुंडागर्दी-भ्रष्टाचार।

इन सबके पीछे मुख्य कारक धन ही है और यह धन उन तक हम ही पहुँचाते हैं। हम ही अपना धन फूँककर अपनी हानि कर रहे हैं। मूर्खता की पराकाष्ठा है यह।

70-80 वर्ष पहले तक प्रसिद्ध अभिनेताओं को सामान्य वेतन मिला करता था। 30-40 वर्ष पहले तक क्रिकेटरों की कमाई भी कोई खास नहीं थी। 30-40 वर्ष पहले तक राजनीति भी ऐसी नहीं थी। धीरे-धीरे ये हमें लूटने लगे और हम शौक से खुशी-खुशी लुटते रहे। हम इन माफियाओं के चंगुल में फँस कर हम अपने बच्चों का, अपने देश का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं।

50 वर्ष पहले तक फिल्में इतनी अश्लील और फूहड़ नहीं बनती थीं। क्रिकेटर और नेता इतने अहंकारी नहीं थे, आज तो ये हमारे भगवान बने बैठे हैं। अब आवश्यकता है इनको सिर पर से उठाकर पटक देने की ताकि इन्हें अपनी हैसियत पता चल सके।

एक बार वियतनाम के राष्ट्रपति हो-ची-मिन्ह भारत आए थे। भारतीय मंत्रियों के साथ हुई मीटिंग में उन्होंने पूछा- 'आप लोग क्या करते हैं?' इन लोगों ने कहा- 'हम लोग राजनीति करते हैं।' वे समझ नहीं सके इस उत्तर को।

उन्होंने दुबारा पूछा- 'मेरा मतलब, आपका पेशा क्या है?'

इन लोगों ने कहा- 'राजनीति ही हमारा पेशा है।'

हो-ची मिन्ह तनिक झुंझलाए, बोले- 'शायद आप लोग मेरा मतलब नहीं समझ रहे। राजनीति तो मैं भी करता हूँ; लेकिन पेशे से मैं किसान हूँ, खेती करता हूँ। खेती से मेरी आजीविका चलती है। सुबह-शाम मैं अपने खेतों में काम करता हूँ। दिन में राष्ट्रपति के रूप में देश के लिए अपना दायित्व निभाता हूँ।'

भारतीय प्रतिनिधिमंडल निरुत्तर हो गया, कोई जबाब नहीं था उनके पास। जब हो-ची-मिन्ह ने दुबारा वही बातें पूछी तो प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने झेंपते हुए कहा- 'राजनीति करना ही हम सबों का पेशा है।'

स्पष्ट है कि भारतीय नेताओं के पास इसका कोई उत्तर ही न था। बाद में एक सर्वेक्षण से पता चला कि भारत में 6 लाख से अधिक लोगों की आजीविका राजनीति से चलती थी। आज यह संख्या करोड़ों में पहुंच चुकी है।

कुछ महीनों पहले ही जब कोरोना से यूरोप तबाह हो रहा था, डाक्टरों को लगातार कई महीनों से थोड़ा भी अवकाश नहीं मिल रहा था, तब पुर्तगाल की एक डॉक्टर ने खीजकर कहा था- 'रोनाल्डो के पास जाओ न, जिसे तुम करोड़ों डॉलर देते हो। मैं तो कुछ हजार डॉलर ही पाती हूँ।'

मेरा दृढ़ विचार है कि जिस देश में युवा छात्रों के आदर्श वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाशास्त्री आदि न होकर अभिनेता, राजनेता और खिलाड़ी होंगे, उनकी स्वयं की आर्थिक उन्नति भले ही हो जाए, देश की उन्नत्ति कभी नहीं होगी। सामाजिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक, रणनीतिक रूप से देश पिछड़ा ही रहेगा हमेशा। ऐसे देश की एकता और अखंडता हमेशा खतरे में रहेगी। जिस देश में अनावश्यक और अप्रासंगिक क्षेत्र का वर्चस्व बढ़ता रहेगा, वह देश दिन-प्रतिदिन कमजोर होता जाएगा। देश में भ्रष्टाचारी व देशद्रोहियों की संख्या बढ़ती रहेगी, ईमानदार लोग हाशिये पर चले जाएँगे व राष्ट्रवादी लोग कठिन जीवन जीने को विवश होंगे।

सभी क्षेत्रों में कुछ अच्छे व्यक्ति भी होते हैं। उनका व्यक्तित्व हमेशा सम्माननीय रहेगा। आवश्यकता है हम प्रतिभाशाली, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, समाजसेवी, जुझारू, देशभक्त, राष्ट्रवादी, वीर लोगों को अपना आदर्श बनाएं। नाचने-गाने वाले, ड्रगिस्ट, लम्पट, गुंडे-मवाली, भाई-भतीजा-जातिवाद और दुष्ट देशद्रोहियों को जलील करने और सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक रूप से बॉयकॉट करने की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी हमें। यदि हम ऐसा कर सके तो ठीक, अन्यथा देश की अधोगति भी तय है। आप स्वयं तय करो सलमान खान, आमिर खान, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, हेमा, रेखा, जया देश के विकास में इनका योगदान क्या है हमारे बच्चे मूर्खों की तरह इनको आइडियल बनाए हुए हैं।

47वीं पुण्यतिथि पर अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

न्यायमूर्ति स्व. श्री जे.पी. जैन सा.

(जन्मदिन :15.11.1917 - पुण्यतिथि : 17.9.1975)

-नमनकर्त्ता-

समस्त परिवारजन, शुभचिंतक एवं मित्रगण

मोबाइल : 94140-66665

(CR D-2863)

16वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. इ. श्री पारसमल जी जैन

(ब्यावर वाले)

18.03.1947 - 29.09.2006

जो चुप रहकर सीख, ज्ञान की बातें हम सबको देते हैं,
जो मुस्कराकर बच्चों को अपना कहते हैं, ऐसे थे हमारे पापा।
हमारे लिए इतने 'स्पेशल' होते थे। अगर उन्हें याद भी करो तो
हम सभी के चेहरे पर 'Smile' आ जाती है।
पापाजी, खो गये 'आप', खो गया वो 'समय'
ना ही आप मिले, ना ही वो समय।
यही चक्र चला है पापाजी।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. गौरव जैन *(बैंक ऑफ बड़ौदा) दुबई*
-शालिनी जैन

श्रीमती सन्तोष जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्री-दामाद :
भावना जैन-इ. कुलदीप जैन *(भीलवाड़ा)*
डॉ. कविता जैन-संदीप जैन *(कोटा)*

पौत्र- नव्य, ***पौत्री***- रिषिता, ***नवासा***- श्रेयांस, भव्यदीप, ***नवासी***- सोनल, राशी, सौम्या

विशेष श्रद्धावान : सतीश-चन्द्रा, समीर, अंकुर, डॉ. चन्द्रशेखर-विनिता, राजेश-ममता जैन

निवास : 'जय-पारस', 102/117, मीरा मार्ग मन्दिर के पास, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020

मोबा.: 7014336410, 9352773740, 9314073740

(CR D-2864)

नवम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री त्रिलोक चन्द जी जैन

(08.11.1930 - 02.09.2013)

हम सभी परिवारजन सजल नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : बिन्नोदेवी जैन

पुत्री- दामाद :
आशा जैन-देवेन्द्र कुमार जैन
मधु जैन-स्व. बिमल कुमार जैन
सुनीता जैन-राकेश कुमार जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
स्व. जिनेन्द्र जैन-स्व. सुनीता जैन
अशोक जैन-वीना जैन

नाती-नातिन :
अभिषेक जैन-वंदना जैन
निशांत जैन-अंजलि जैन
भुवन जैन-सलोनी जैन
शिवानी जैन-मधुप जैन

पौत्र-पौत्र वधु :
निखिल जैन-रीचा जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
पूजा जैन-अमित जैन
इंदू जैन-अतुल जैन

परनाती :
सुयश, अपूर्व, विहान, अर्णव, वंश,
भूमिक, ईशान, एकलव्य, आर्ना, क्यारा

निवास : 7360 ए, शक्ति नगर, प्रेम नगर, दिल्ली-07

भावभीनी श्रृद्धांजलि

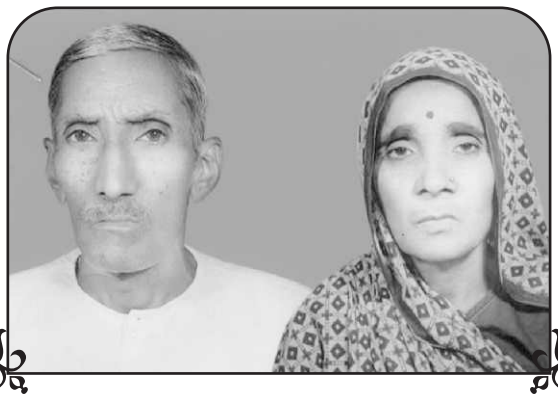

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,

पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी

पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन

पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप

पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

महासभा आय और व्यय खाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

व्यय	राशि (रु)	आय	राशि (रु)
मुद्रण और स्टेशनरी	603.00	महासभा के विशेष सहायता	31,066.00
विधवा अनुदान	12,47,000.00	विधवा अनुदान	10,37,501.00
डाक व्यय	683.00	एफडीआर पर ब्याज	2,51,406.00
बैंक कमीशन	1,138.70	आई टी रिफंड पर ब्याज	53,050.84
ऑडिट एवं सी ए फीस	38,700.00	बचत बैंक खाता पर ब्याज	11,536.00
वर्ष के दौरान कमी / घाटा	96,435.14		
कुल	13,84,559.84	कुल	13,84,559.84

हमारी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अजित कुमार जैन
[महामंत्री]
अध्यक्ष
[अध्यक्ष]
अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

UDIN: 22076903 ARPAQB2626

स्थान : जयपुर

तिथि : 10-09.2022

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates * Chartered Accountants * JAIPUR

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

समग्र आय व्यय खाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

व्यय	राशि (रु)	आय	राशि (रु)
मुद्रण एवं स्टेशनरी	5,95,983.00	महासभा विशेष सहायता	31,066.00
विधवा अनुदान	12,47,000.00	विधवा अनुदान	10,37,501.00
डाक व्यय	7,063.00	एफडीआर पर ब्याज	3,47,842.00
हाउस कीपिंग खर्च	55,595.00	आइ टी रिफंड पर ब्याज	53,050.84
बिजली खर्च	1,34,514.00	विज्ञापन आय	4,29,100.00
पानी खर्च	22,501.00	भवन आय	3,07,800.00
मरम्मत एवं रखरखाव खर्च	25,448.00	बिजली खर्च प्राप्त	19,140.00
रंग रोगन एवं मजदूरी	380.00	पुराना प्रोविज़न रिवर्स किया	26,905.00
वेतन खर्च	90,000.00	बचत बैंक खाते पर ब्याज	23,490.00
बैंक कमीशन	1,265.10	क्रिकेट टूर्नमिंट आय	2,30,095.00
क्रिकेट टूर्नमिंट खर्च	2,30,095.00	पत्रिका सहयोग	31,163.00
ऑडिट एवं कानूनी फीस	43,700.00	अन्य आय	6,604.00
अन्य खर्च	18,108.00		
टीडीएस पर ब्याज	233.00		
वर्ष के दौरान घाटा / (आधिक्य)	71,871.74		
कुल	25,43,756.84	कुल	25,43,756.84

हमारी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

अजित कुमार
अर्थ मंत्री

[महामंत्री] [अध्यक्ष] अध्यक्ष
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

Gupta Gajanand & Associates
CA
JAIPUR
Chartered Accountants

UDIN: 22076903 AR PAQB 2626
स्थान : जयपुर
तिथि : 10.09.2022

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा
जयपुर – 302015

महासभा आर्थिक चिठ्ठा
31.03.2022 तक

दायित्व	राशि (रु)	संपत्ति	राशि (रु)
समग्र निधि		**निवेश**	
प्रारंभिक शेष	26,84,265.90	बैंक सावधि जमा	44,20,111.75
जोड़ें : आजीवन सदस्यता शुल्क	6,500.00		
		अग्रिम और जमा	
रिजर्व और अधिशेष		टीडीएस	66,606.00
प्रारंभिक शेष	19,46,459.82		
जोड़ें : चालू वर्ष के अधिशेष /(घाटा)	96,435.14	**नकदी और बैंक बैलेंस**	
		इलाहाबाद बैंक आगरा	1,26,244.06
चिकित्सा कोष		कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	1,21,635.75
प्रारंभिक शेष	1,24,205.00	पंजाब नेशनल बैंक	12,640.10
जोड़ें : चिकित्सा कोष से भुगतान	-	एस बी आई सचिवालय मार्ग	23,094.30
		एस बी आई सी स्कीम	2,44,469.22
अन्य कोष एवं निधि		सिंडीकेट बैंक, आगरा	60,453.13
स्वरोजगार कोष	1,00,000.00	रोकड़ शेष	2,018.55
पत्रिका महासभा	9,866.00		
छात्रवृत्ति	65,501.00		
मूकबधिर पशु –पक्षी बचाओं	6,000.00		
केन्द्रांश	5,040.00		
संरक्षक सदस्यता	33,000.00		
कुल	**50,77,272.86**	**कुल**	**50,77,272.86**

हमारी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अजित कुमार जैन
महामंत्री
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अध्यक्ष
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates Chartered Accountants JAIPUR

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

UDIN: 22076903ARPAQB2626
स्थान : जयपुर
तिथि : 10.09.2022

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

समग्र आर्थिक चिट्ठा

31.03.2022 तक

दायित्व	राशि (रु)	संपत्ति	राशि (रु)
सदस्यता राशि		स्थायी संपत्ति	1,10,63,579.68
प्रारंभिक शेष	70,97,602.90		
जोड़ें : आजीवन सदस्यता शुल्क	1,27,600.00	निवेश	
		बैंक सावधि जमा	65,81,225.75
रिजर्व और अधिशेष			
प्रारंभिक शेष	1,12,69,406.64	अग्रिम और जमा	
जोड़ें : चालू वर्ष के अधिशेष / (घाटा)	71,871.74	टीडीएस	66,606.00
जोड़ें : इस वर्ष प्राप्त निधि	500.00		
जोड़ें : चालू वर्ष की बुकिंग निरस्त	(60,000.00)	वर्तमान लेनदारी	
		विविध लेनदारी	43,500.00
चिकित्सा कोष			
प्रारंभिक शेष	1,38,905.00	नकदी और बैंक बैलेंस	
जोड़ें : चिकित्सा कोष से भुगतान	10,100.00	बैंक शेष	11,42,865.25
		रोकड़ शेष	1,18,901.60
विविध देनदारी			
विविध देनदारी	3,58,954.00		
टीडीएस	1,738.00		
कुल	1,90,16,678.28	कुल	1,90,16,678.28

हमारी ऑडिट रिर्पोट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अजित कुमार जैन
[अर्थमंत्री]

[अध्यक्ष]
अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

UDIN: 22076903ARPAQB2626
स्थान : जयपुर
तिथि : 10.09.2022

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates
CA JAIPUR
Chartered Accountants

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

समग्र प्राप्ति एवं भुगतान खाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्तियां	राशि (रु)	भुगतान	राशि (रु)
प्रारंभिक शेष			
बैंक शेष	9,15,801.35	राजस्व भुगतान वर्ष के दौरान	
रोकड़ शेष	74,686.60	मुद्रण एवं स्टेशनरी	5,95,983.00
		विधवा अनुदान	12,47,000.00
राजस्व प्राप्तियां वर्ष के दौरान		डाक व्यय	7,063.00
महासभा विशेष सहायता		हाउस कीपिंग खर्च	55,595.00
विधवा अनुदान	31,066.00	बिजली खर्च	1,34,514.00
एफ़डीआर पर ब्याज	10,37,501.00	पानी खर्च	22,501.00
आई टी रिफंड पर ब्याज	3,47,842.00	मरम्मत एवं रखरखाव खर्च	25,448.00
विज्ञापन आय	53,050.84	वेतन खर्च	90,000.00
भवन आय	4,29,100.00	बैंक कमीशन	1,265.10
बिजली खर्च प्राप्त	3,07,800.00	क्रिकेट टूर्नामेंट खर्च	2,30,095.00
बचत बैंक खाते पर ब्याज	19,140.00	ऑडिट एवं कानूनी फीस	43,700.00
क्रिकेट टूर्नामेंट आय	23,490.00	अन्य खर्च	18,488.00
पत्रिका सहयोग	2,30,095.00	टीडीएस पर ब्याज	233.00
अन्य आय	31,163.00		
	6,604.00	पुंजीगत भुगतान वर्ष के दौरान	
		टीडीएस	36,651.00
पुंजीगत प्राप्तियां वर्ष के दौरान		चालू वर्ष की बुकिंग निरस्त	60,000.00
आजीवन सदस्यता	1,27,600.00	बैंक सावधि जमा	51,897.00
आयकर रिफ़ंड	55,704.16	देनदारों को भुगतान	56,132.00
चिकित्सा फ़ंड	10,100.00	भवन निर्माण कोटा	2,500.00
आर्थिक सहायता फ़ंड	500.00		
बैंक सावधि डिपॉज़िट	2,37,548.00	समापन शेष	
पकज जन स प्राप्त	2,040.00	बैंक शेष	11,42,865.25
		रोकड़ शेष	1,18,901.60
कुल	39,40,831.95	कुल	39,40,831.95

हमारी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अजित कुमार जैन
अध्यक्ष
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा [महासचिव]

[अध्यक्ष] अध्यक्ष
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

UDIN: 22076903ARPA0B2626
स्थान : जयपुर
तिथि : 10.09.2022

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates CA JAIPUR Chartered Accountants

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा
जयपुर – 302015

महासभा प्राप्ति और भुगतान खाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्तियां	राशि (रु)	भुगतान	राशि (रु)
प्रारंभिक शेष		**राजस्व भुगतान वर्ष के दौरान**	
इलाहाबाद बैंक आगरा	1,09,835.06	मुद्रण और स्टेशनरी	603.00
कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	1,14,447.65	विधवा अनुदान	12,47,000.00
पंजाब नेशनल बैंक	15,690.90	डाक व्यय	683.00
एस बी आई सचिवालय	11,443.30	बैंक कमीशन	1,138.70
एस बी आई सी स्कीम	1,45,990.22	ऑडिट एवं सी ए फीस	38,700.00
सिंडीकेट बैंक, आगरा	1,29,683.13		
रोकड़ शेष	18,355.55	**पुंजीगत भुगतान वर्ष के दौरान**	
		टीडीएस	33,240.00
राजस्व प्राप्तियां वर्ष के दौरान		बैंक सावधि जमा	51,897.00
महासभा के विशेष सहायता	31,066.00	पत्रिका महासभा	28,393.00
विधवा अनुदान	10,37,501.00		
एफडीआर पर ब्याज	2,51,406.00	**समापन शेष**	
बचत बैंक खाता पर ब्याज	11,536.00	इलाहाबाद बैंक आगरा	1,26,244.06
आयकर रिफ़ंड पर ब्याज	53,050.84	कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	1,21,635.75
		पंजाब नेशनल बैंक	12,640.10
पूंजीगत प्राप्तियां वर्ष के दौरान		एस बी आई सचिवालय	23,094.30
महासभा आजीवन सदस्यता	6,500.00	एस बी आई सी स्कीम	2,44,469.22
आयकर रिफ़ंड	55,704.16	सिंडीकेट बैंक, आगरा	60,453.13
		रोकड़ शेष	2,018.55
कुल	**19,92,209.81**	**कुल**	**19,92,209.81**

हमारी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अजित कुमार जैन
[illegible]
अखिल मार[illegible]ल जैन महासभा [अध्यक्ष]

अध्यक्ष
श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

UDIN: 22076903ARPAQB2626
स्थान : जयपुर
तिथि : 10-09-2022

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण क्रमांक – 07999

Anand & Associates
CA
JAIPUR
Chartered Accountants

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 0769

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **Vidhi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh . Anil Jain, DoB 02.11.1993 (at 7:40 am, Jaipur), Height 5'-1", Smart and Wheatish, Education- B.E. (EC) Indore, Working in Hexaware at Pune, package- 18.25 LPA, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Nangeswariya, Contact : 9926063720 *(July)*

★ **Deeksha Jain** D/o Sh. Manoj Kumar Jain, DoB 17.08.1995 (at 4:30 pm, Agra), Height 5'-4", Fair Complexion, Education- CS appearing, M.Com., Diploma in GST Tally, Gotra : Self- Lohkarodiya, Mama- Tahkuriya, Contact : 21/74, Dhuliyaganj, Agra, Mob.: 8755440723, 9411045622 *(July)*

★ **Yashika Jain** D/o Sh. Yogesh Kr. Jain, DoB 01.07.1996 (at 07:13 pm, Alwar), Height- 5'-3", Fair Color, Education- B.Com, M.Com., MBA Pursuing, Occupation- Presently Working with Indusind Bank, Jaipur, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Choudhary, Contact : Near Jain Mandir, Main Market, Ramgarh-301026 (Alwar), Mob.: 9602478710 *(July)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Gireesh Jain, DoB 29.07.1995 (at 03:45 pm, Jhansi), Height- 5'-1", Fair Color, Education- B.Sc. (Maths), BTC (Diploma in Teaching), Occupation- Working as a Maths Teacher in Army Public School, Jhansi, Contact : 7007626208, 9358486645 *(July)*

★ **Dr. Pallavi Jain** D/o Dr. Rajesh Jain, DoB 11.05.1995 (at 03:25 pm, Allahabad), Height- 5'-2", Fair Color, Education- BDS, Occupation- Currently practising in Raj Dental Clinic, Allahabad, Contact : 9005155399, 8318937520 *(July)*

★ **CA Yamini Jain** D/o Sh.Naresh Chand Jain, DoB 25.08.1993 (at 7:35 PM, Jodhpur), Fair Complexion, Height- 5'-5", Education- B.Com & CA, Working in IBM Hyderabad (Currently WFH), 10 LPA, Gotra- Sangerwasia, Contact : 9414128180, 987310734, Email : rishabh.kr.jain @gmail.com *(Aug.)*

★ **Riddhima Jain** D/o Sh. Mukesh Jain (Kathawari Wale), DoB 18.09.1996 (at 4:40am, Hathras), Height- 5'-2", Education B.Com. MBA-HR, JOB at Jaipur, Gotra : Self- Kher, Mama- Taank, Contact : E-676, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 9968419531 *(Aug.)*

★ **Nikita Jain** D/o Sh. Mukesh Chand Jain, DoB 10.03.1996 (at 9:50am, Bharatpur), Height- 5'-4", Education- B.Tech from JECRC Jaipur, Occupation- Working as Software Engineer in Deloit Company Hyderabad, Gotra : Self- Pavatiya, Mama- Khair, Contact : 818, SPM Nagar, Bharatpur, Mob.: 9414320236 *(Aug.)*

★ **Pushpanjali Jain** (Manglik) D/o Sh. Ashok Jain, DoB 05.08.1989 (at 06:10 PM, Alwar), Height : 5'-3", Fair Complexion, Education : B.Tech (ECE), M.Tech (Digital Electronics), Gotra : Self- Mastdangia Chaudhry, Mama- Sarangdangia Chaudhry, Contact : Saraswati Apartment, Sector-18, Pratap Nagar, Jaipur-302033, Mob.: 7976129230, 9352681867 *(Aug.)*

★ **Samiksha Jain** D/o Sh. Vivek Kumar Jain, DoB 22.10.1997 (at 8:27 PM, Alwar), Fair Complexion, Height- 150 cms., Education- B.Arch from Jagannath University, Jaipur, Occupation Freelance - Arch Space Interio, Alwar, Contact : 196, South West Block, Near Ram Mandir, Kala Kuan Road, Alwar, Mob.: 9414366912, 9413689200 *(Aug.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Uttam Chand Jain, DoB 21.01.1996 (at 12:30am, Morena), Height- 5 ft., Fair Complexion, Education : B.Com,CA Final (pursuing), Gotra : Self- Banjaare, Mama- Chandpuriya, Contact : AB Road, Banmore, Dist. Morena (M.P.), Mob.: 7000016910, 9144676882 *(Aug.)*

★ **Urvashi Jain** D/o Sh. Susheel Kumar Jain, DoB 05.07.1995 (at 1:13pm, Jaipur), Height- 5'-4", Education : Chartered Accountant, Working with KPMG GDC, Bangalore as an Associate Z in US Audit, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Rajoriya,

Contact : 1141, Kisan Marg, Barkat Nagar, Tonk Road, Jaipur, Mob.: 9460124713, 8619357171 *(Aug.)*

★ **Raksha Jain** D/o Sh. Pramod Babu Jain, DoB 04.11.1994, Height- 5'-2", Fair Complexion, Education : B.Sc., B.T.C., UPTET, Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Kotiya, Contact : House No. 253, Sector 2 C, Avas Vikas Colony, Sikandra, Agra, Mob.: 639616855, 9058033492 *(Aug.)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994 (at 07:05am, Agra), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education : B.Sc., PG Diploma in Urban Planning and Management, B.T.C., UPTET, Singer at Jinvani Channel, Gotra : Chorbambar, Contact : 32D/12A, New Abadi Rashmi Nagar, Mughal Road, Kamla Nagar, Agra-282005, Mob.: 9411684569, 7037054569 *(Aug.)*

★ **Amisha Jain** (Aansik Manglik) D/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 10.07.1997 (at 1:56pm), Height- 5'-3:, Education- B.Com., M.B.A., Job- HDFC Mutual Fund, Sanjay Place, Agra, Gotra : Self- Thakuriya, Mama- Chodha Parivaar, Contact : 103, Chhotti Chhapeti, Firozabad-283203 (U.P.), Mob.: 7351568144, 7830641569 *(Sep.)*

★ **Tanvi Jain** (Aanshik Manglik) D/o Sh. Navratan Jain, DoB 26.12.199 (at 4:45 p.m., Agra), Height- 5 Ft., Education- M.A, B.Ed. (English), Profession- Teacher, Contact : 7088329449, 7467082226 *(Sep.)*

★ **Aditi Jain** D/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 24.06.1995 (4:11 p.m., Alwar), Height- 5'-5", Education- B.E. Honours, M.B.A., Job- Consulting Analyst In MNS Bangalore, Salary- 24 LPA, Gotra : Self- Chaudhary (Mastangdaria), Contact : D-36, Bhairav Kripa, Hassan Khan Mewati Nagar, Alwar- 301001, Mob.: 9414427864 *(Sep.)*

★ **Anuksha Jain** D/o Sh. Rishabh Kumar Jain, DoB 21.07.1996, Height- 5'-2", Fair, Slim, Education- B.Tech., (ECE) from Jaypee Noida, M.B.A. from Ford School of Management New Delhi, Working in Axtria Noida, Package- 15 LPA, Gotra : Self- Haran Oswal Shwetambar, Mama- Karnawat, Contact : 80/401, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9413631278, 9414679984 *(Sep.)*

★ **Amita Jain** D/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 22.08.1992 (at 03:17 pm, Jaipur), Height- 5'-5", Fair Complexion, Education- MCA, Occupation- Job, Annual Income- Rs. 25 - 35 Lakh, Gotra : Self- Kotlya, Mama- Khhera, Contact : D-126, Awadhpuri, Lalarpura, Gandhi Path West Jaipur, Mob.: 9549911739 *(Sep.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **सुभम जैन** पुत्र श्री राकेश जैन, जन्मतिथि 11.03.1996 (प्रातः 06:20, मंडावर, जिला दौसा), शिक्षा- बी.ए. (राजस्थान विश्वविद्यालय), व्यवसाय- मेन्यूफेक्चरिंग एंड होलसेल ट्रेडिंग, जरी गोटा एंड गारमेंट्स एसेसिरीज, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- विरांगडागिया, इनकम 6 अंकों में, सम्पर्क : 77/167, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9694707058, 9414067972 *(जुलाई)*

★ **विनय कुमार जैन (विक्की)** पुत्र श्री सुरेश चंद जैन, जन्म तिथि 02.02.1993, कद- 5'-9'', गोत्र : स्वयं- काश्मीरिया, मामा- नंगेश्वरिया, शिक्षा- बी.टेक (आई.टी.), व्यवसाय : बैंक ऑफ बड़ौदा में मैनेजर (आई.टी. डिपार्टमेन्ट), सम्पर्क : एस-17, भागीरथ नगर, टोंक फाटक, जयपुर, मोबाइल : 8233774144, 9950143302 *(अगस्त)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री अशोक कुमार जैन, जन्मतिथि 08.07.1993 (05.48 सायं) कद 5'-6'', शिक्षा - बी.कॉम., एम.कॉम., एल.एल.बी, गोत्र : स्वयं- आमेश्वरी, मामा- चौधरी, सम्पर्क : जैन मोहल्ला, जैन मंदिर के पास, रामगढ़ (अलवर), मो.: 9829250444, 9024083810, 8058576724 *(सितम्बर)*

★ **आयुष जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, जन्मतिथि 26.01.1993 (7.15 प्रातः), कद- 5'-4'', शिक्षा- बी.टेक., स्वयं का व्यापार, गोत्र : स्वयं- आमेश्वरी, मामा- कोटिया, सम्पर्क : 4, सिविल लाइन, नियर गोपाल टॉकीज, अलवर, मो.: 8058576724 *(सितम्बर)*

★ **Jaideep Jain** S/o Sh. Sheel Kumar Jain, DoB 06.11.1993 (at 1:00 am, Mandawar), Height 5'-10", Education- B.Sc., B.Ed. (Rajasthan University), Occupation- Business (Air Purifier and Healthcare Services), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Kashmiriya, Contact : Near Panchayat Bhawan, Mandawar, Dausa, Mob.: 9414035417, 6375436087 *(July)*

★ **Sagar Jain**, Age- 28 yrs., Height- 6 ft., Education- B.Tech from NIT Jalandhar, MBA from MDI Gurgaon, Occupation- Working with

Microsoft Word, Package 38 LPA, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Kotia, Contact : Sh. Umesh Jain, MBS Nagar, Kota, Mob.: 9509991649, 9414441010 *(July)*

★ **Shashank Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain Bajaj, DoB 21.02.1992 (at 6:30 am, Agra), Height- 5'-7", Education- MCA, Job- Working in Coforge (NIIT) at Greater Noida as a Senior Software Tester, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Rajeshwari, Contact : C-153, Subhash Nagar, Kamla Nagar, Agra-282005, Mob.: 9634074088, 9927463181, Email : aniljainbajaj@gmail.com *(July)*

★ **Ayush Jain** S/o Dr. S.C. Jain, DoB 04.01.1993 (at 10:25 pm, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.E. (ECE), ITM Gurgaon University, Job- MNC Gurugram, Package 27 LPA, Gotra : Self- Sangeswari, Mama- Kotia, Contact : H.No.1188, Sec. 15, Part-2, Gurgaon, Mob.: 9810180183, 8826267521 *(July)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Mahaveer Jain, DoB 24.12.1994 (01:35 am, Jaipur), Height-5'-8", Education- B.Tech. (EC, JECRC, Jaipur), Job- Principal Analyst in AbInbev, Bangalore, Package- 26 LPA, Gotra : Koda (Shrimal), Contact : 56, Kailash Vihar, Mansarovar, New Sanganer Road, Jaipur, Mob.: 9829079948 *(July)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 01.03.1995 (at Alwar), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- Master of Business Administration (Finance), Occupation- Branch Credit Manager in IFC First Bank, Alwar, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Rajoriya, Contact : Flat No. C-408, Manglam Residency, Near Itarana Circle, Alwar, Mob.: 6350158479, 8854020347 *(July)*

★ **Tarun Jain** S/o Sh. Akhil Kumar Jain, DoB 10.02.1988 (at 10:05 am, Delhi), Height- 5'-10", Fair Complexion, Education- BBA (Bhartiya Vidyapeeth University, Delhi), Profession- Business Owner of Mohini Home Furnishing and Mohini Décor and Café Stores (Own 2 Shops), Gotra : Bhatariya, Contact : B-38, 3rd Floor, Shushant Lok 3, Sector 57, Gurugram-122413 (Haryana), Mob.: 9811128682, 9929726945, 9910759501, 9899048223 *(July)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Indramohan Jain, DoB 09.08.1991 (at 12:15 pm, Bharatpur), Height- 5'-9", Fair Colour, Education- MBA, M.Com., Job- Branch Relationship Officer at Aditya BIrla Sunlife Insurance in Bharatpur Region HDFC Bank, Packege- 5 LPA, Gotra : Self- Janothariya, Mama- Bhadkoliya, Contact : Near Soni Academy School, Neem-da-Gate, Bharatpur-321001, Mob.: 8949003300, 9414271912 *(July)*

★ **Sushil Kumar Jain** S/o Sh. Rakesh Chand Jain, DoB 07.08.1993 (at 7:30 am, Bharatpur), Height- 5'-7", Fair Colour, Education- B.C.A (Bachelors in Computer Application) From Vel Tech University Chennai, Job- Assistant Manager at Lifecell International Private Limited, Chennai, Packege- 5.50 LPA, Gotra : Self- Sengarvasiya, Mama- Gindoravakas, Contact : 11, VRD Nagar, Madhavaram, Chennai-600060, Mob.: 9444740012, 9381940867, 8778864201 *(July)*

★ **Abhishek Jain** S/o Late Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 21.09.1993 (at 12:55 pm, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (EC), Occupation- Senior Engineer in Havells India Ltd., Alwar, Packege- 5-6 LPA, Gotra : Self- Maleshwari, Mama- Chorambaar, Contact : Plot No. 205, Scheme No. 1, Arya Nagar, Alwar, Mob.: 8000669150, Email : abhijain2109@gmail.com *(July)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 am, Agra), Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, Anuj Plaza, Belanganj, Agra, Packege- 10 LPA, Contact : House No. 612, Sector 6-C, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra, Mob.: 7060978292 *(July)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 20.08.1994 (at 07:45 pm), Height- 5'-5", Education- B.Tech. (CS), Job- Serving as Senior Software Engineer in Paytm, Noida, Packege- 27 LPA, Gotra : Self- Sarang, Mama- Barolia, Contact : 41/A, Kala Kunj, Opp. Jain Mandir, Maruti Estate, Agra-282010, Mob.: 9358885858, 8868022224 *(July)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Sheetal Prasad Jain, DoB 27.09.1987 (at 08:45 pm), Height- 5'-7", Fair Colour, Education- Intermediate, Job- Own Business (Cosmetic & Artificial Jewellery), Income 8 LPA, Gotra : Self- Slavdiya, Mama- Vaid Verastak, Contact : House No. 336, Sector 7, Avas Vikas Colony, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9045005916, 8218630439, 8739859801

(July)

★ **Dhawal Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 12.12.1996 (at 05:30 pm, Jaipur), Height- 5'-11", Education- B.Com., CA, Job- Finance Manager in Reliance Industries Ltd. at Navi Mumbai, Packege- 15 LPA, Gotra : Self- Lohkirodia, Mama- Badvasia, Contact : A-109, Vaishali Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 9314653717 *(July)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 06.10.1994 (at Morena), Wheatish Complexion, Height- 5'-10", Education- B.Com, MBA from Prestige Institute of Management, Job- Branch Operations Manager at Capri Global Capital Limited, Gotra : Self- Lohkhadare, Mama- Davaraiya, Contact : In front of Jain Mandir, Sitaram Dhramshala Road, Jiwaji Ganj, Morena, Mob: 9826221224, 9425782574 *(Aug.)*

★ **Praval Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 04.11.1994 (at 1:30 PM, Bharatpur), Height- 5'-10", Education- B.Tech (Computer Science Engineering from JECRC Jaipur), Occupation- Software Engineer-2 in MoEngage at Bangalore, Income- 30LPA, Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Kashmeriya, Conatct : New Jain Automobile, Exhibition Road, Bharatpur-321001, Mob.: 9414894235, 9680151142, Email: pravaljain43@gmail.com *(Aug.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 22.07.1992 (at Agra), Height 5'-5", Education- M.Com, Occupation : Working as Sr. Accountant with Taj Vilas in Agra, Income- 3+ LPA, Gotra : Self- Janutharia, Mama- Baebare, Contact : 37/472, Nagla Padi, Dayal Bagh, Agra, Mob.: 9219219655, 7906973116 *(Aug.)*

★ **Dr. Ashish Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 01.01.1995 (at Achhnera), Height : 5'-5", Complexion : Fair, Education - BDS, MIDA, Masters in Implantalogy, Occupation : Running Shakuntala Dental Clinic & Implant Center in Achhnera, Agra, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajouria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achhnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7906973116 *(Aug.)*

★ **Ajit Jain** S/o Late Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 27.06.1990 (at 3:55 pm, Bharatpur), Height- 5'10", Fair Smart, Education-B.Tech (VIT Vellore), Presently Working as Junior Statistical Officer in Subordinate Statistical Service Under Ministry of Statistics and Programme Implementation, Posted at Gwalior, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Borandangya, Contact : Smt. Pushpa Jain, 9785122157, Ashwani Jain, 6350427579 *(Aug.)*

★ **Parag Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1995, (at 10:54 pm, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (CS), Working as a Probationary Officer in SBI, Narauli Dang (Sapotra) Distt. Karauli, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Athwarsia, Contact : 27/169, Naruka Colony, Alwar, Mob.: 7014560816 & Whats app. 9785564525, email: satishjain912@gmail.com *(Aug.)*

★ **Rohit Kumar Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 23.07.1992 (at 12:20 pm, Kherli), Height 5'-6", Education- M.Com & CA Inter, Presently Working in Income Tax Deptt. (Central Govt.) as a PA/Stenographer Posted at Bangalore, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Dhati, Contact : S.K.Jain, B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 96602 55730, 78773 26965 *(Aug.)*

★ **Abhay Jain** S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 16.9.1995 (at 12:10 PM, Bharatpur), Height- 6'-1", Education- B.Tech (CS), MD University, Faridabad, Occupation- Programer in Guardian India Operation Pvt. Ltd. Gurgoan, Package-10 LPA, Gotra : Self- Divarya, Mama- Kotia, Contact : H.No. 219, Sector-28, Faridabad, Mob.: 9868659666, 8697729002, Email : ravindrajain2307@gmail.com *(Aug.)*

★ **Raunak Jain** S/o Sh. R.K. Jain, DoB 21.01.1991 (at 7:33 AM), Height 5'-8", Education B.Tech in Computer Science, Occupation: Senior Consultant in Wipro (Jaipur), Gotra : Self- Dhati, Mama : Goyal Agrawal, Contact : 3B8, C.H.B. Jodhpur, Mob.: 9828384341, 9587683776 (Whatsapp), Email : jainraunak21@gmail.com *(Aug.)*

★ **Prayansh Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 27.02.94 (at 8:10 PM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech (JECRC, Jaipur), Occupation- IT Analyst in Tata Consultancy Services, New Delhi, Package:10.5 LPA, Gotra : Self- Nageshwaria, Mama- Badwasia, Contact : Sh. Prakash Chand Jain, Jain Tyres, 9 Bapu Bazar, Alwar, Mob.: 9829215414, 8005549651 *(Aug.)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain (Kherli Wale), DoB 12.09.1992 (at 8:31 am, Jaipur), Height- 5'-7", Education- M.Tech. (NIT, Bhopal) & pursuing Ph.D. IIT Hyderabad, Occupation- IC

Layout Designer in Synopsys Hyderabad, Package 40 LPA, Gotra : Self- Ladoriya, Mama- Byaniya, Contact : 15-A, RadhaSwami Nagar, Mansarovar Ext., Jaipur, Mob.: 9413907815, Email : arpitkherli@gmail.com *(Aug.)*

★ **Vishal Jain** S/o Late Sh. Riddhi Jain, DoB 06.05.1995 (at 6:10 am, Hindaun City), Fair Complexion, Height- 5'-9", Gotra : Self- Baroliya, Mama- Lahdodiya, Education- B.Sc. Nursing (Jaipur Hospital Collage of Nursing), Working Paramedical Nursing Staff in Spice Jet Company (Air Port), Salary- 30,000/- Per Month, Contact : Mrs. Anjana Jain, Sastri Bazar, New Mandi Hindaun City, Mob.: 6376375270, Email : jainv0890@gamil.com *(Aug.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at Alwar), Height- 6 feet, Education : B.Tech (Information Technology), Job Status- Co-founder of Infinity Educations (Online Platform for Engineering's Students) at Bajaj Nagar, Jaipur, Gotra : Self- Mastdangia Chaudhry, Mama- Sarangdangia Chaudhry, Contact : 422 Lajpat Nagar Scheme No. 2, Alwar-301001, Mob.: 9461334271, 9413024271 *(Aug.)*

★ **Kartikey Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 30.06.1994 (at 2:15am), Height- 5'-5", Education- B.Com., LLB, MBA from Rajasthan University, Jaipur, Presently Working as Indirect Tax Analyst in Ernst & Young Gurgaon, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Sangewaria, Contact : Flat No. 701, JKD Pearl Aura, 26 Manu Marg, Alwar-301001, Mob.: 9414018899, 7976109696, Email : advocatejainpramood@gmail.com *(Aug.)*

★ **Shalaj Jain** S/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 26.08.1994 (at 7:05pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electrical), Post Electrical Engineer in GLS Elopak Rewari, Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Choudhary, Contact : A-15A, Ram Nagar Vistar, Goner Road, Jaipur, Mob.: 8739953356, 9829196973 *(Aug.)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Mahaveer Prasad Jain, DoB 29.10.1990 (at 01:10pm, Agra), Height- 5'-5", Education- BCA, MCA, Occupation- Working with NTT Data as a Software Development Senior Specialist, Gotra : Self- Barolia, Mama- Biyania, Contact : 7/108, Maina Gate, Pathwari, Agra, Mob.: 9411925944 *(Aug.)*

★ **Sohil Jain** S/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 18.06.1992 (at 12:25 PM, Bharatpur), Height- 6Ft., Education- B.Com., M.B.A. (Finance), Occupation- Commercial Officer in MNC, Income- 5 LPA, Gotra : Self- Muda, Mama- Chaurbabar, Contact : WZ -169, B/2 Lajwanti Garden, New Delhi-110046, Mob.: 98701 11728 *(Sep.)*

★ **Rohit Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 13.02.1991 (at 00.10 am, Gangapur City, Distt. Sawai Madhopur), Height- 5'-6", Education- B.Tech. (Civil Engg.), MA (Philosophy), Working as Faculty/ Lecturer in a IAS Coaching Institute, Package- 10 LPA, Gotra : Self- Bhatariya, Mama- Vaidbahoriya, Contact : R.K. Jain, 6-B-3, MLA Colony, Rangbari Scheme, Kota-324005, Mob.: 9413472655, 9414661688 *(Sep.)*

★ **Shobhit Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 04.10.1992 (at 10.55 am, Kota), Height 5'-6", Education- B.Tech. (Mechanical Engg.), M.Tech. (Manufacturing Sys. Engg. from BITS, Pilani), Working as Astt. Manager in Maruti Suzuki India Ltd., Package 14 LPA, Gotra : Self- Bhatariya, Mama- Vaidbahoriya, Contact : R.K. Jain, 6-B-3, MLA Colony, Rangbari Scheme, Kota-324005, Mob.: 9413472655, 9414661688 *(Sep.)*

★ **Akant Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 13.11.1989 (at 08:02 PM, Alwar), Height- 5'-7", Education- MBA (Marketing and Finance), B.Tech (Electronics and Communication Engineering), Job- Working as a Analyst in Sparkle Software Solutions Private Limited, KGK Group, Borivali, Mumbai, Package- 9 LPA, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Maleshwari, Contact : Jain Bhawan, Gali No. 11, Mohalla Darukutta, Road No. 2, Alwar-301001, Mob.: 9414641566, 8764178993 *(Sep.)*

★ **Vipul Jain** S/o Late Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 19.08.1993 (at 1:00 p.m., Agra), Height- 5'-10", Education- B.Tech (Computer Science), Pprofession- Self Business, Loha Mandi, Agra, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Bhadoriya, Contact : 24/165, Bagh Ram Sahai, Loha Mandi, Agra, Mob.: 639678918 9, 8909188645 *(Sep.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Kaluram Jain, DoB 25.01.1995 (at 7:20 p.m, Alwar), Height- 5'-4", Education B.Tech, Occupation- Social Security Officer at ESIC Ministry of Labour and Employment Govt. of India in Pune

(Maharashtra), Salary- 75,000 per month, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Baroliya, Contact : Vill. Mubarikpur, Alwar, Mob.: 9982605334 *(Sep.)*

★ **Rishabh Jain** S/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 13.05.1995 (at 6:00 a.m.), Height- 5'5", Education- B.Com., PGDM Finance, Job- Area Credit Manager in Larson and Toubro Finance Limited, Jodhpur, Gotra : Self- Janoothria, Mama- Chaurbambar, Contact : 9, Bhajan Nagar, Ajmer Road, Beawar, Mob.: 9460312001, 9414866607 *(Sep.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Girish Jain, DoB 15.12.1995 (at Gangapurcity), Fair Complexion, Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Mechanical Engineering), Job- Senior Sales Consultant at Celebal Technologies, Income 12 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Nagesuriya, Contact : 6/338 SFS Mansarovar Jaipur, Mob.: 9314621214, 7597483527, Email : girishrekha1994@gmail.com *(Sep.)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 30.09.1992 (at 6:45 am, Alwar), Height- 5'-9", Education- Graduate, Occupation- Nursing Superintendent, Railway (NCR), Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Chorbambar, Contact : 2/300, Kala Kua Housing Board, Alwar-301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(Sep.)*

★ **Atishay Jain** (Manglik) S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 11.04.1994 (at 05:41 PM, Alwar), Height- 5'-6'', Educational- B.Tech (Mechanical), Occupation- Senior Quality Assurance Engineer at "SSB Engineers (P) Ltd.", Alwar, Gotra : Self- Maleshwaria, Mama- Chandpuria, Contact : Thakar Wala Kuan, Near Police Line, Alwar, Mob.: 9252940625, 7568704495 *(Sep.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height- 5'-11", Education- M.Com., M.B.A., LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C.K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary , Contact : Plot No. 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10-A, Distt. Alwar-301001, Mob.: 9982154002 *(Sep.)*

★ **Shubham Jain** S/o Late Sh. Rajesh Jain, DoB 13.07.1994 (at 1:40 AM, Beawar), Height- 5'-11", Education- M.B.A. (Marketing & Finance), Occupation- Customer Relationship Manager (Unit Sale) Ultra Tech Cement (Aditya Birla Group), Barmer (Rajasthan), Package- 9 LPA, Gotra : Self- Januthrya, Mama- Badwasye, Contact : H.No. 6, New Agrasen Colony, Delwara Road, Beawar-305901, Mob.: 9529397529, 7976359003 *(Sep.)*

★ **Anirudh Jain** S/o Ajay Kumar Jain, DoB 17.01.96 (at Jaipur), Fair Complexion, Height- 5'-7", Education-B.Tech (Mechanical Engineering), Job- Business Development Manager at Teacxn Technologies Ltd. Bangalore, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Chorbmbar, Contact : Plot No. 75, Mayfair Residency 4, Flat No. G-2, Maa Karni Nagar-A, Karni Palace Road, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9829026072, 9928134457 *(Sep.)*

★ **Ankur Jain** (Vinod Jain) S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 15.11.1990 (at 6:30 AM, Firozabad), Height- 177.8 cms., Fair, Education- B.Com, M.Com, Pursuing LLB (2nd year), Occupation- IT Support and Account in Army Hospital, Star Health and LIC Insurance Agent, Income- 4.20 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Mast Chaudhary, Contact : 361, Jain Nagar, Khera Saiyaad Wali Gali, Firozabad (Uttar Pradesh)-283203, Mob.: 9045730849, 9837639412, Email : jain_antesh1008@rediffmail.com *(Sep.)*

★ **Garvit Jain** (Manglik) S/o Late Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 09.09.1992 (at 7:08 pm), Height -5'-5", Work As Sr. Consultant, Gotra Self- Ladodiya, Mama- Chaudhary, Contact : Sradha Jain, 8849527429 *(Sep.)*

* * * * *

बधाई

विशा जैन पुत्री श्री अजीत कुमार जैन एवं श्रीमती लक्ष्मी जैन, निवासी दादावाड़ी, कोटा ने सीबीएसई की सैकण्ड्री परीक्षा 2022 में 86% से उत्तीर्ण की है। ऐसी प्रतिभाशाली बच्ची को अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

एकाग्रता की शक्ति को ऐसे बढ़ाएं

एकाग्रता का महत्त्व सर्वविदित है। जीवन की सारी उपलब्धियाँ, विभूतियाँ एवं ऋद्धि-सिद्धियाँ एकाग्र मन के गर्भ से ही प्रस्फुटित होती हैं, लेकिन अधिकांश लोग एकाग्रता के अभाव में जीवन की पूरी क्षमताओं का नियोजन नहीं कर पाते व संभव सफलता से वंचित रहते हैं और एक सार्थक जीवन नहीं जी पाते, जिसका एक कारण मन की चंचल प्रवृति है।

सामान्यतया मन इधर-उधर भागता रहता है, कहीं एक जगह पर टिककर नहीं बैठता। कहा भी गया है कि मन बहुत चंचल है और इसका वेग वायु से भी तेज है। किसी एक जगह पर टिककर बैठना इसकी फितरत में नहीं है। इस तरह मन को एकाग्र करना एक विशेष पुरुषार्थ माँगता है। यह एक तरह की मानसिक साधना है, जिसके अंतर्गत मन को निरर्थक बातों से हटाकर सार्थक कार्यों में लगाना पड़ता है और अपने समय, श्रम व मनोयोग का श्रेष्ठतम उपयोग करते हुए अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति की जाती है।

ध्यान की प्रक्रिया में यही किया जाता है कि मन को. निगृहीत कर एक बिंदु पर लगाया जाता है। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होती है। पहला, मन के बिखराव को समेटना। दूसरा, इसे एक विषय पर केंद्रित करना। इन दोनों चरणों का सम्मिलित रूप है वह एकाग्रता, जो अभीष्ट सिद्धि व सफलता को संभव बनाती है। ध्यान रखने योग्य बात यह है कि एकाग्रता का अर्थ स्थिरता व जड़ता नहीं है, बल्कि विषय के हर पहलू पर विचार करना, हर पक्ष से सोचना है व सम्यक चिंतन तथा संतुलित जीवन जीना है।

एकाग्रता के कई लाभ हैं। एकाग्रता लक्ष्य को और अधिक स्पष्ट तथा निश्चित करती है, जिससे अंतर्मन में निहित क्षमताओं, शक्तियों का सहज प्रस्फुटन होता है। एकाग्रता से बौद्धिक विकास होता है, बुद्धि प्रखर होती है। एकाग्रता जितनी गहरी होगी, उतना ही गहरा प्रभाव मन पर डालती है, जिससे अधिक समय तक सम्यक स्मृति बनी रहती है।

इस तरह एकाग्रता स्मृति को बढ़ाती है। एकाग्रता से ग्रहणशीलता बढ़ती है, जिससे विषय जल्दी समझ आता है तथा हम जल्दी सीख पाते हैं। आश्चर्य नहीं कि एकाग्रता के साथ पढ़ाई या काम करने की आदत व्यक्ति को शीघ्र ही उस विषय में पारंगत बना देती है। यह मौलिकता के विकास में सहायक रहती है। नई कल्पनाएँ, नए विचार और योजनाएँ एकाग्रता के गर्भ से ही जन्म लेती हैं। एकाग्रता से अतींद्रिय क्षमता तक विकसित होती है।

योगी जन अपनी एकाग्रता के बल पर ही सारे कार्य करते हैं। दूरदर्शन, दूरश्रवण जैसी क्षमताएँ एकाग्रता का ही परिणाम हैं। जिस व्यक्ति या विषय पर योगी जन मन को केंद्रित करते हैं, उससे संबंधित सारा ज्ञान उन्हें हो जाता है। महर्षि पतंजलि का सारा दर्शन एकाग्रता पर टिका हुआ है। प्रत्याहार से धारणा-ध्यान के प्रयोग वस्तुतः एकाग्रता के ही प्रयोग हैं, जो अंततः समाधि की परमावस्था के रूप में फलित होते हैं।

एकाग्रता बढ़ाने के कई उपाय हैं। पहला उपाय रुचि का जागरण है। जिस विषय में रुचि होगी, उस पर मन अपने आप टिकता है, एकाग्र हो जाता है व उससे जुड़े ज्ञान को सहज रूप में अर्जित करता है। जैसे खेल में रुचि होने पर उससे जुड़े सारे आँकड़े अपने आप याद रहते हैं; जबकि रुचि के अभाव में इतिहास की तिथियाँ व स्कूली पाठ्यक्रम से जुड़े आँकड़े याद नहीं रहते व यह सब एक बोझिल कार्य लगता है।

फिर विषय की उपयोगिता की समझ दूसरा आधार है। विषय की उपयोगिता समझ आने पर भी मन स्वतः एकाग्र हो जाता है। जैसे व्यक्ति को किसी कार्य में नाम, यश, धन व पुण्यलाभ आदि के मिलने की संभावना रहती है तो उसके प्रति अधिक उत्साह रहता है और मन लगने लगता है। इसी के साथ लक्ष्य स्पष्ट हो तो भी एकाग्रता बनी रहती । लक्ष्य की स्पष्टता से मन की शक्तियाँ सक्रिय होती हैं और व्यक्ति अपनी मंजिल की ओर गतिशील रहता है।

लिख-लिखकर पढ़ने से भी मन की एकाग्रता बढ़ती है। आश्चर्य नहीं कि मंत्र-लेखन को उसके जप से अधिक प्रभावशाली माना गया है। संगीत सुनने से भी मन की एकाग्रता बढ़ती है। निर्मल प्राकृतिक परिवेश, स्वच्छ एवं व्यवस्थित

एकाग्रता बढ़ाने में सहायक रहते हैं।

ध्यान एकाग्रता को बढ़ाने का एक सशक्त उपाय है। अपने श्वास के आवागमन पर ध्यान का अभ्यास किया जा सकता है। अपने इष्ट, आराध्य का ध्यान मन को सबल बनाने के साथ एकाग्रता में सहायक रहता है।

एक सुव्यवस्थित दिनचर्या इस संदर्भ में महत्त्वपूर्ण होती है। इसके आधार पर मन की एकाग्रता बनी रहती है। हर कार्य के लिए समय का उचित बँटवारा होने से मन एक कार्ययोजना के अंतर्गत व्यस्त रहता है। अनावश्यक भटकन एवं बिखराव की गुंजाइश नहीं रहती।

अनवरत कार्य एवं श्रम के बीच में विश्राम उपयोगी रहता है। लगातार पढ़ाई करते हुए कुछ मिनट का अल्पविराम एकाग्रता में सहायक रहता है। इसी तरह पर्याप्त नींद मन को सबल एवं एकाग्र रखती है। दिन में लगातार श्रम के बाद तन-मन से थकने पर कुछ मिनट की झपकी मन-मस्तिष्क को तरोताजा करती है।

एकाग्रता के लिए स्वस्थ शरीर का होना भी आवश्यक है। कहते हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। व्यायाम और खेल भी इस संदर्भ में उपयोगी रहते हैं। ये शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी रहते हैं और एकाग्रता बढ़ाने में सहायता करते हैं।

यहाँ एकाग्रता में बाधक तत्त्वों की जानकारी भी आवश्यक हो जाती है, जिससे इनके समाधान पर विचार किया जा सके। इस संदर्भ में आलस्य व मन की चंचलता प्रमुख व्यवधान हैं, जिनका समाधान दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन जीवनचर्या और कठोर श्रम है।

इसके साथ घबराहट, चिंता या भय की स्थिति में मन एकाग्र नहीं हो पाता। आशावाद, आत्मविश्वास, ईश्वर विश्वास से इन्हें दूर किया जा सकता है। बहुत अधिक श्रम से तन-मन थक जाता है तो भी मन एकाग्र नहीं हो पाता। इसके लिए आँखें बंदकर थोड़ा विश्राम करें व तन-मन को अपनी खोई ऊर्जा को वापस लाने दें।

निरंतर एक ही काम करते रहने से मन ऊब जाता है तो काम बदल लें या घूमने, टहलने निकल जाएँ। बहुत सारे काम हाथ में लेने पर भी मन एकाग्र नहीं हो पाता । इसका समाधान विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर एक-एक कर निपटाते रहने से होता है।

गप्पबाजी व स्मार्टफोन का व्यसन भी मन की एकाग्रता में बाधक बनते हैं। इसलिए इनके लिए समय को निर्धारित करें। गलत संगत से बचें, नकारात्मक व व्यर्थ के कार्यों में समय बरबाद न करें।

इस तरह चाहे भौतिक प्रगति हो या आध्यात्मिक विकास, दोनों के लिए मन का एकाग्र होना आवश्यक है। एकाग्रता के बिना किसी भी कार्य में सफलता की आशा नहीं की जा सकती। ऊर्जा का सुनियोजन किसी भी दिशा में बढ़ने के लिए एकाग्रता आवश्यक होती है। अतः प्रतिभा के जागरण व संवर्द्धन में एकाग्रता की साधना एक अनिवार्य अंग है।

डॉक्टर मार्क कैनन कैंसर विशेषज्ञ थे। एक बार वे किसी स्वास्थ्य सम्मेलन में भाग लेने जा रहे थे, किंतु उड़ान के कुछ समय पहले ही विमान में तकनीकी खराबी आ गई। दूसरा विमान कई घंटे लेट था। इसलिए उन्होंने एक टैक्सी किराये पर ली। टैक्सी मिली, पर बिना ड्राइवर के। अतः उन्होंने स्वयं ही टैक्सी चलाने का निर्णय लिया। यात्रा के दौरान ही तेज आँधी-तूफान शुरू हो गया और भटकते हुए वे एक पुराने से मकान में जा पहुँचे। वहाँ उपस्थित गृहस्वामिनी को उन्होंने अपनी स्थिति बताई तो वह उन्हें भीतर ले गई और आतिथ्यस्वरूप उसने उन्हें कुछ खाने को भी दिया। उस स्त्री द्वारा भोजन से पूर्व प्रार्थना करने के आग्रह पर वे बोले- ''मैं इसमें विश्वास नहीं करता।'' उस स्त्री की भावभरी प्रार्थना को देखकर डॉक्टर ने उससे पूछा- ''क्या आपको लगता है कि भगवान आपकी प्रार्थनाएँ सुनेंगे?'' उस स्त्री ने उदास ने मुस्कराहट के साथ कहा- ''डॉक्टर साहब, यह मेरा बेटा है। इसे कैंसर है और जिसका इलाज मार्क कैनन नाम के एक डॉक्टर ही कर सकते हैं, लेकिन मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं उनके पास जा सकूँ। मात्र विश्वास है कि भगवान कोई रास्ता निकाल ही देंगे।'' डॉक्टर उस स्त्री द्वारा की गई सच्ची प्रार्थना और घटित हुए उस संयोग को देखकर अवाक् रह गए और उन्होंने उस बच्चे का इलाज मुफ्त में कर दिया। इस घटना ने स्वयं उनके जीवन को भी रूपांतरित कर दिया।

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

BIMAL CHAND JAIN
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Bimal Jain - 09837253305
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438

Postal Registration No. JAIPUR CITY/410/2022-24

If Undelievered, please return to :

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*

86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।